बुधवार
14 जून 2023

पृष्ठ 4

इन कारणों के चलते महिलाओं को होता है सिर दर्द !

पृष्ठ 5

सलमान खान को अच्छी स्क्रिप्ट का इंतजार

● देहरादून
● वर्ष 31
● अंक 131
● पृष्ठ 8
● मूल्य ₹ 1.00

आज का विचार

कविता वह सुरंग है जिसमें से गुजर कर मनुष्य एक विश्व को छोड़ कर दूसरे विश्व में प्रवेश करता है।

– रामधारी सिंह दिनकर

दूनवैलीमेल

सांध्य दैनिक

email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com

आर.एन.आई.- 59626/94

डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

नहीं होगी कल पुरोला में महापंचायत

❑प्रशासन ने नहीं दी अनुमति, 19 जून तक धारा 144 लागू

विशेष संवाददाता

देहरादून/पुरोला। गैर हिंदू समुदाय के युवाओं द्वारा नाबालिग हिंदू समुदाय की स्कूली छात्रा को बहला-फुसलाकर भगाने की कोशिश करने के मामले को लेकर बीते 26 मई से चले आ रहे विवाद को लेकर हिंदू संगठनों द्वारा कल 15 जून को की जाने वाली महापंचायत अब नहीं होगी। जिला प्रशासन द्वारा महापंचायत की अनुमति देने से इंकार कर दिया गया है। क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए आज 14 जून से 19 जून तक धारा 144 लागू कर दी गई है।

उल्लेखनीय है कि हिंदू संगठनों द्वारा 15 जून को इस मुद्दे पर महापंचायत बुलाने की घोषणा की गई थी, जिसे लेकर कई तरह की आशंकाएं जताई जा रही है। हिंदू संगठनों द्वारा पुरोला क्षेत्र में रहने वाले सभी मुस्लिम समुदाय के लोगों को 15 जून तक घर मकान और दुकानें भी खाली कराने का अल्टीमेटम दिया गया था। जिसके मद्देनजर 2 दर्जन से अधिक दुकानदार व व्यवसाई पुरोला से पलायन कर चुके हैं जिसे लेकर राष्ट्रीय स्तर पर चर्चा जारी है।

विश्व हिंदू परिषद और प्रधान संगठनों द्वारा प्रशासन से कल होने वाली महापंचायत की अनुमति मांगी गई थी लेकिन कानून व्यवस्था की चुनौतियों के मद्देनजर अब प्रशासन द्वारा महापंचायत की अनुमति देने से साफ मना कर दिया गया है। तथा पूरे पुरोला क्षेत्र में आज से लेकर 19 जून तक धारा 144 लागू कर दी गई है।

प्रशासन द्वारा आज पहली कोशिश संबंधित लोगों को यही समझाने की की गई कि वह महापंचायत न करें और में फेरी करने पर रोक लगाने पर सहमति जताई गई थी। लेकिन पुरोला में घटना के दिन से बंद पड़ी दुकानों को प्रशासन अभी तक खुलवाने में कामयाब नहीं हो सका है तथा व्यापारियों का पलायन जारी है। मुस्लिम समुदाय के लोगों का साफ कहना है कि जो गलत है उन्हें सजा दी जाए इसमें किसी को कोई एतराज नहीं है, लेकिन जो लोग 30-30

◀◀ शेष पृष्ठ 8 पर

प्रशासन अपना काम कर रहा है: धामी

देहरादून। पुरोला के घटनाक्रम पर अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि पुरोला या अन्य जगह जो भी घटनाएं सामने आई हैं प्रशासन उन सभी में ठीक से काम कर रहा है। आरोपियों पर कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने कहा कि जब कानून अपना काम कर रहा है तो लोगों को कानून व्यवस्था को अपने हाथों में नहीं लेना चाहिए। प्रदेश में शांति और सद्भाव बनाए रखने में प्रशासन काम कर रहा है।

स्वामी दर्शन भारती महापंचायत के लिए पुरोला रवाना

देहरादून। पुरोला में 15 जून होने वाली महापंचायत पर हालांकि प्रशासन द्वारा रोक लगाकर वहां धारा 144 लागू कर दी गयी है। लेकिन हिन्दु संगठनों को विरोध में अपने चरम पर है। इस क्रम में महापंचायत की तय तारीख से एक दिन पूर्व आज साढ़े चार बजे देवभूमि रक्षा अभियान के धर्म रक्षकों के साथ स्वामी दर्शन भारती देहरादून से पुरोला रवाना हो गये है। देखना होगा कि हिन्दू संगठनों की यह महापंचायत प्रशासन सम्पन्न होने देगा या नहीं?

किसी को भी शांति भंग नहीं करने देंगे: डीजीपी

देहरादून। पुरोला के हालात और स्थिति पर डीजीपी अशोक कुमार का कहना है कि किसी को भी शांति व्यवस्था भंग करने की इजाजत नहीं दी जाएगी अगर माहौल खराब करने की कोशिश की गई तो सख्ती से निपटा जाएगा। सुरक्षा के कड़े बंदोबस्त किए गए हैं, धारा 144 लागू कर दी गई है। उन्होंने कहा कि जो भी कानून को तोड़ने का प्रयास करेगा उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई होगी। हमारी खुफिया एजेंसियां व पुलिस अधिकारी सतर्क हैं। आमने-सामने बैठ कर समस्या के समाधान पर बात करें। लेकिन यह बैठक बेनतीजा ही है। हालांकि प्रशासन द्वारा स्थानीय लोगों की मांग पर बिना पंजीकरण के रेहड़ी-ठेली भी न लगाने और गांवों

सुप्रीम कोर्ट ने खारिज की याचिका

देहरादून। पुरोला में होने वाली महापंचायत को लेकर सुप्रीम कोर्ट में दायर की गई याचिका को आज खारिज कर दिया गया है। सुप्रीम कोर्ट का कहना है कि कानून व्यवस्था राज्य सरकार का मामला है, आप हाई कोर्ट जाएं। उल्लेखनीय है कि अपूर्णानंद व अन्य द्वारा दायर की गई इस याचिका में प्रदेश की कानून व्यवस्था का मुद्दा उठाया गया था। सुप्रीम कोर्ट ने याचिकाकर्ता से पूछा कि आपको सरकार व प्रशासन पर भरोसा क्यों नहीं है।

गुजरात की तरफतेजी से बढ़ रहा है चक्रवाती तूफान 'बिपरजॉय'

नई दिल्ली। अरब सागर में उठा चक्रवाती तूफान 'बिपरजॉय' पहले से ज्यादा खतरनाक हो चुका है। कच्छ और भुज में हजारों लोगों को राहत शिविर में शिफ्ट किया गया है। गुजरात के जाफराबाद सहित अन्य इलाकों में पुलिस ने बुधवार सुबह ग्रामीणों को सब्जियां और दूध सहित अन्य सामान वितरित किया। तूफानी के चेतावनी के कारण मछुआरों को समुद्र में जाने पर पाबंदी लगा दी गई है। चक्रवात 'बिपरजॉय' के 15 जून की शाम तक गुजरात के जखाऊ बंदरगाह के पास से गुजरने की संभावना है। अरब सागर का चक्रवात 'बिपरजॉय' तटीय इलाकों की ओर तेजी से बढ़ रहा है। 'बिपरजॉय' की गति धीरे-धीरे तेज हो रही है। 'बिपरजॉय' की आगे बढ़ने की गति अब 5 किलोमीटर प्रति घंटे से बढ़कर 12 किलोमीटर प्रति घंटे तक हो गई है। कच्छ से केरल तक चक्रवाती तूफान का असर देखा जा रहा है। समुद्र में ऊंची-ऊंची लहरें उठने लगी हैं। तेज हवाओं की वजह से पेड़ गिरने लगे हैं। गुजरात के कच्छ, द्वारका, राजकोट, मोरबी, जामनगर, पोरबंदर एवं जूनागढ़ से लगभग 41 हजार लोगों को अस्थायी शिविरों में भेज दिया गया है।

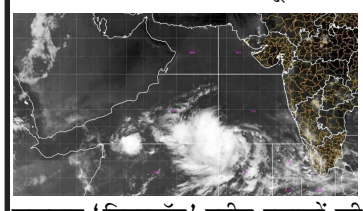

मणिपुर में फिर भड़की हिंसा, गोलीबारी में 9 लोगों की मौत

इम्फाल। मणिपुर में हिंसा की आग फिर भड़क गयी है। करीब डेढ़ महीने का समय बीत चुका है, लेकिन अब भी हालात संभल नहीं रहे। इस बीच मंगलवार की रात को इम्फाल पूर्व जिले में फिर से हिंसा भड़क गई। इसमें 9 लोगों की मौत हो गई और 10 जख्मी हो गए हैं। इन मौतों के साथ ही मणिपुर की हिंसा में मारे गए लोगों की संख्या बढ़कर 115 हो गई है। कूकी और मैतेई समुदाय के बीच 3 मई से छिड़ी हिंसा अब तक थमी नहीं है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मंगलवार की रात को पूर्वी इम्फाल जिले के अगिजंग गांव में हिंसा भड़क गई।

पूर्वी इम्फाल जिले के एसपी के. शिवाकांत सिंह ने कहा, 'गांव में रात को 10 बजे के करीब फायरिंग शुरू हो गई।

इसमें 9 लोगों की मौत हो गई और 10 जख्मी हुए हैं। इन सभी लोगों को अस्पताल में एडमिट कराया गया है और एक की हालत गंभीर है।' एसपी ने बताया कि इलाके की सुरक्षा में फिलहाल असम राइफल्स तैनात है। किसी भी हिंसा को टालने के लिए फोर्स की मौजूदगी बढ़ाई गई है। उन्होंने कहा कि हिंसा के बाद फिलहाल स्थिति कंट्रोल में है। कूकी समुदाय के लोगों का कहना है कि उनके गांव में हमला हुआ था। यह हमला मैतेई उपद्रवियों की ओर से हुआ था। कूकी संगठनों ने कहा कि उनके समुदाय के कुछ लोगों ने लाइसेंसी हथियारों के साथ उपद्रवियों का मुकाबला करने की कोशिश की थी। लेकिन उपद्रवियों की संख्या कहीं अधिक थी। मई महीने के शुरूआती दिनों में शुरू हुए हिंसक संघर्ष में कुकी संगठनों का विरोध बेहद प्रबल है, जो राज्य सरकार को बहुसंख्यक मेइतेयी समुदाय को एसटी का दर्जा देने के कदम का विरोध कर रहे हैं। इस बीच केंद्रीय गृह मंत्रालय ने हिंसा को शांत करने के लिए राज्यपाल अनुसुइया उइके की अगुवाई में एक शांति समिति बनाई है लेकिन हिंसा की जद में आने वाले कुकी और मेइतेयी समुदायों से जुड़े प्रभावशाली संगठनों ने शांति समिति के बहिष्कार का ऐलान किया है।

दून वैली मेल

संपादकीय

सांप्रदायिक सद्भाव पर सवाल

किसी एक ही समय और कालखंड में किसी क्षेत्र या राष्ट्रीय विशेष में एक ही जैसी घटनाओं का प्रकृटिकरण यूं ही नहीं होता है या तो ऐसी घटनाओं के पीछे किसी खास लक्ष्य को हासिल करने का षड्यंत्र होता है या फिर किसी समस्या से आंखें मूंद लेने के कारण होता है। उत्तराखंड की राजनीति और समाज में इन दिनों दो तरह के मुद्दे छाए हुए हैं पहला मुद्दा है लव जिहाद का जो राज्य की बेटियों और महिलाओं की इज्जत आबरू से जुड़ा है, और दूसरा मुद्दा है लैंड जिहाद का जो धर्म और धार्मिक भावनाओं से जुड़ा हुआ है इन दोनों ही मुद्दों की मारक क्षमता क्या है इसे सभी जानते हैं। जर-जोरू और जमीन किसी भी बड़े से बड़े अपराध तक पहुंचाते हैं वही धर्म वह अफीम की गोली है जिसका नशा कभी नहीं उतरता। इन दिनों प्रदेश के तमाम हिस्सों से मुस्लिम युवकों द्वारा हिंदू महिलाओं को बहला-फुसलाकर उनको भगा कर ले जाने का या उनका शारीरिक शोषण करने तथा धर्मांतरण कराने के लिए दबाव डालने की खबरें इतनी आम हो चुकी है कि हर रोज कहीं न कहीं से एक नई खबर सामने आ रही है जिन्हें लेकर पूरा पहाड़ आक्रोश की आग में जल रहा है। महिलाओं की अस्मिता और धर्म से जुड़े इन मुद्दों ने आज हिंदु व मुसलमानों को आमने सामने खड़ा कर दिया है वहीं दूसरी तरफ मजारों और मंदिरों को तोड़े जाने और मूर्तियों को खंडित किए जाने के समाचार हैं जिनकी बाढ़ आई हुई है। सवाल यह है कि इन दोनों ही मुद्दों को अब तक इतनी हवा मिल चुकी है कि यह आग अब बहुत आसानी से या बहुत जल्द शांत होती हुई नहीं दिख रही है वहीं दूसरा सवाल यह है कि क्या इसके पीछे कोई सोचा समझा षड्यंत्र है जैसा कि प्रचारित किया जा रहा है या फिर एक ऐसी समस्या है जिस पर लंबे समय से किसी का ध्यान ही नहीं गया था या जिसे नजरअंदाज किया जाता रहा है? अगर राज्य में किसी समुदाय विशेष द्वारा कुछ गलत किया जा रहा था चाहे वह सरकारी जमीनों पर मजार बनाने और जमीनों पर अतिक्रमण करना हो या लड़कियों व महिलाओं को फंसा कर उनका गलत इस्तेमाल किया जाना हो इस तरह की घटनाएं अगर हो रही थी तो उन्हें पहले क्यों नहीं रोकने का प्रयास किया गया अब जब पानी नाक तक आ गया है तभी क्यों सरकार और समाज को यह सारी समस्याएं नजर आ रही हैं। प्रदेश के सांप्रदायिक सौहार्द और भाईचारे की बात तो अब इतनी आगे बढ़ चुकी है कि इस पर कोई गौर किया जा सके ऐसे हालात भी शेष नहीं बचे हैं। देव भूमि उत्तराखंड की शांत वादियों में सांप्रदायिकता का जो रंग इन वारदातों के कारण भरा जा रहा है वह समाज के भविष्य के लिए अच्छे संकेत नहीं हैं। हो सकता था कि इन मामलों को शांतिपूर्ण ढंग से निपटा लिया जाता लेकिन इन समस्याओं पर अब राजनीतिक दखल के चलते खेल खराब और खराब होता जा रहा है आज तक उत्तराखंड का समाज और राजनीति इन मुद्दों से दूर बने रहे थे लेकिन अब हालात बदल चुके हैं 15 जून को पुरोला और 18 जून को दून में दोनों समुदायों की महा पंचायतों के बाद ही अब पता चल सकेगा कि हवा का रुख क्या रहता है फिलहाल राज्य के सुख-चैन और शांति के लिए यह मुद्दे राहु और केतु बने हुए हैं।

'अम्मार' को घाना की वेबिक यूनिवर्सिटी ने डॉक्टरेट की मानद उपाधि से सम्मानित किया

नई दिल्ली (कासं)। कांस्टीट्यूशन क्लब ऑफ इंडिया नई दिल्ली में आयोजित घाना की वेबिक यूनिवर्सिटी के दीक्षांत समारोह के दौरान देश के कई लोगो को सामाजिक कार्यो और उनकी प्रतिभाओं को डाक्टरेट की मानद उपाधि से चांसलर डॉ फेलिक्स ओफोसु द्वारा सम्मानित किया गया।

इस दौरान सहारनपुर उत्तर प्रदेश से आर्टिस्ट अम्मार आब्दी को उनकी समाजसेवा और प्रतिभा के लिए (इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी) वेबिक यूनिवर्सिटी, घाना पश्चिम अफ्रीका द्वारा डॉक्टरेट की मानद उपाधि से सम्मानित किया गया यह सम्मान घाना अफ्रीका से आए यूनिवर्सिटी के चांसलर डॉ फेलिक्स ओफोसु ने अपने हाथों से अम्मार को दिया।

बता दे अम्मार ने अपने कैरियर की शुरुआत बहुत ही कम उम्र में कर दी थी उन्होंने कई लोगों जिनमे धर्मगुरु, राजनेता, सिविल सेवक व और कई बड़ी हस्तियों

को अपनी कला का प्रदर्शन करते हुए उनका पोर्ट्रेट बना कर भेंट किया। अम्मार को पूर्व में भी कई अवॉर्डो से सम्मानित किया जा चुका है जिसमे एक्सक्लूसिव वर्ल्ड रिकॉर्ड्स द्वारा एक्सक्लूसिव टैलेंट अवॉर्ड भी शामिल है। इस सम्मान के मिलने से उनके परिजनों में खुशी का माहौल है, इस दौरान और भी कई बड़े नामों को डॉक्टरेट की मानद उपाधि से सम्मानित किया गया जिसमे उत्तर प्रदेश अल्पसंख्यक आयोग के सदस्य, हैदर अब्बास चांद जी, वरिष्ठ पत्रकार और जेसीआई के अध्यक्ष अनुराग सक्सेना जी , एक्सक्लूसिव वर्ल्ड रिकॉर्ड के ऑपरेशन हेड पंकज खटवानी जी , एम. एस.एम.ई. उत्तर प्रदेश असिस्टेंट डायरेक्टर हरीश यादव जी के साथ कई बड़े नाम शामिल है।

अनिका बनी ओबीसी महासभा महिला विग की प्रदेश अध्यक्ष

संवाददाता

देहरादून । अखिल भारतीय ओबीसी महासभा के प्रदेश अध्यक्ष ने अनिका छेत्री को महिला विग का प्रदेश अध्यक्ष मनोनीत किया। आज यहां अखिल भारतीय ओबीसी महासभा के सम्मानित प्रदेश अध्यक्ष रामबचन राजभर द्वारा अनिका छेत्री को महासभा (महिला विंग) की उत्तराखंड प्रदेश अध्यक्ष के पद पर नियुक्त किया गया है। यह दायित्व प्रदान किये जाने पर अनिका ने महासभा के प्रदेश अध्यक्ष रामबचन राजभर एवं संगठन के प्रत्येक पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता का हृदय से आभार प्रकट किया है।

नाटो प्लस में शामिल ना होने के निर्णय का किया स्वागत

देहरादून (कासं)। भारतीय गुटनिरपेक्ष विदेश नीति के अंतर्गत भारत सरकार द्वारा नाटो प्लस में शामिल ना होने के निर्णय का स्वागत करते हुए संयुक्त नागरिक संगठन की ओर से प्रधानमंत्री मोदी तथा विदेशमंत्री एस जयशंकर को भेजे गये पत्र मे कहा गया है कि भारत- रूसी गणराज्य की अटूट मित्रता के प्रगाढ़ संबंधों में दरार डालने की अमेरिका सहित अन्य पश्चिमी देशों की कोशिशें सरकार की निष्पक्ष विचारधारा से असफल हुई हैं।

गुटनिरपेक्ष देशों में रूस-यूक्रेन युद्ध में, देश के निष्पक्ष रूख की सराहना देशभर में हुई है और आज निर्भीक भारत आत्मसम्मान के साथ अपनी विचारधारा को प्रभावित करने वाली पश्चिमी देशों की साजिशों से अप्रभावित है।

उल्लेख करते हुए कहा गया है कि विश्व शांति की पक्षधर भारत सरकार रूस-युक्रेन युद्ध को रोकने के लिए प्रयासरत है परंतु हथियारों के सौदागर लाखों लोगों की मौत पर खुश है और अपनी कुंठित मानसिकता के कारण युद्ध की आग में बारूद डालकर शांति की झूठी आस लिए बैठे है। विश्व को परमाणु युद्ध की ओर ढकेला जा रहा है। पत्र में विश्वास व्यक्त किया गया है कि विकट परिस्थितियों मे एकमात्र हमारा देश ही विश्व शांति, निरस्त्रीकरण, सहयोग के लिए अपनी आवाज बुलंद कर सकता है। प्रधानमंत्री की भावी संयुक्त राज्य अमेरिका की यात्रा में विश्व शांति के हित मे रूस- यूक्रेन युद्ध को तत्काल खत्म कराने हेतु राष्ट्रपति जो बाईडेन को सहमत कराने का प्रयास करने का भी अनुरोध व्यक्त किया गया है।

अलग-अलग नम्बरों से युवती को परेशान करने वाला गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

पिथौरागढ़। अलग-अलग नम्बरों से युवती को परेशान करने वाले एक व्यक्ति को पुलिस ने उधमसिंहनगर से गिरफ्तार कर लिया है। जानकारी के अनुसार बीती 13 जून को एक व्यक्ति ने थाना जौलजीबी में तहरीर देकर बताया गया था कि किसी व्यक्ति द्वारा उनकी पुत्री को अलग-अलग नम्बरों से फोन करके परेशान किया जा रहा है। मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी गयी। मामले में पुलिस व एसओजी ने संयुक्त कार्यवाही करते हुए आरोपी अदनान हुसैन पुत्र लियाकत हुसैन निवासी जौलजीबी पिथौरागढ़ को लोहियाटेड़ पावर हाउस, थाना झनकईया जिला उद्यमसिंहनगर से गिरफ्तार कर लिया है। जिसे न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया है।

पर्षि दीने गभीर आँ उग्रपुत्रे जिघांसतः।
माकिस्तोकस्य नो रिषत्॥

(ऋग्वेद ८-६७-११)

हे देवी अदिति ! आप हमारी और हमारी संतानों की छोटे-बड़े हिंसक संकटों से रक्षा करें। हमें कोई विषयजाल कभी फंसा कर पथभ्रष्ट ना कर सके।

O Goddess Aditi ! Please protect us and our progeny from small and big violent troubles. No illusion should trap us and deviate from our righteous path.

(Rig Ved 8-67-11)

'सरोला' प्रथा आज भी जिंदा और कायम है

लोकेंद्र सिंह बिष्ट

उत्तरकाशी। आज बात करते हैं अपने उत्तराखण्ड के पहाड़ के गांवों की ससकृति और रीति रिवाजों की। अपने उत्तराखण्ड के पहाड़ी गांवों में एक से बढ़कर एक मजबूत और शक्तिशाली समृद्ध पहाड़ी संस्कृति और रीति रिवाज जो आज भी हैं जिंदा। आओ अपने पहाड़ की इस इस मजबूत संस्कृति सभ्यता और रीति रिवाजों को जाने और इन्हे सजो कर रखे।

इन्हीं सभ्यताओं और रीति रिवाजों में एक है सरोला प्रथा। सामाजिक समारोह यानी शादी, ब्याह या धार्मिक अनुष्ठान हों तो भोजन बनाने का काम जो व्यक्ति करता है वह शुद्ध रूप से धोती धारण करेगा। रसोइया को ही पहाड़ी सस्कृति में सरोला कहते है। मजाल क्या कि जब भोजन बन रहा हो और अन्य कोई व्यक्ति वहां प्रवेश कर जाय। भोजन के समय एक ही बार में सैकड़ों हजारों लोग जमीन में बैठकर भोजन करते हैं। इसमें खूबी ये है कि जब भोजन में चावल (भात) परोसा जाने लगेगा तो कोई भी व्यक्ति महिला हो या पुरुष या हो बच्चे

कोई बीच पंक्ति में न तो उठेगा न कहीं जाएगा। बाकायदा भोजन परोसने से पहले घोषणा की जाती है कि भोजन शुरू होने

❑भोजन करते समय जहां लग जाता है कर्फ्यू!

वाला है। घोषणा से पहले कोई पंक्ति में आना या जाना चाहता है तो आ जा सकता है। एक बार घोषणा हो गई तो मानो कर्फ्यू लग गया।

एक ही सरोला या फिर अधिक से अधिक दो सरोला ही सैकड़ों लोगों को एक साथ खाना यानी डाल भात दही रायता सलाद पकोड़े और विशेषकर भूनी हुई मिर्च यानी भूटि मिर्च परोसते हैं जो खाने के जायके में चार चांद लगा देती है। पानी का इंतजाम है तो ठीक नहीं तो आप पानी के लिए भी नहीं उठ सकते है। सरोला एक तरफ से चावल परोसता है दूसरे छोर तक परोसता जाता है, जब डाल की बारी आती है तो एक छोर से दूसरे छोर तक पहुंचते पहुंचते पहली पंक्ति में बैठे लोग भोजन कर चुके होते है। दूसरी बार चावल चाहिए या फिर डाल लंबा इंतजार करना पड़ेगा। इस प्रक्रिया में घंटों लग जाते हैं लेकिन भोजन का अपना ही आनंद है इस तरह जमीन में बैठकर भोजन करने का।

गर्मी में घमौरियों से हो रहे हैं परेशान, 5 मिनट में इन चीजों से करें इलाज

गर्मी के मौसम में बच्चों से लेकर बड़ों तक सभी को घमौरियां बहुत ही कष्ट पहुंचाती हैं. इस मौसम में न सिर्फ कई तरह की बीमारियां पैदा होती हैं बल्कि शरीर में घमौरियों की वजह से तेज खुजली भी होती है. घमौरी से शरीर खुजलाने के कारण जलन और इचिंग भी बढ़ जाती है. इससे शरीर पर रैशेज भी हो जाते हैं. त्वचा संबंधी यह दिक्कत यूं तो बहुत बड़ी नहीं होती लेकिन सभी को परेशान कर देती है. आप चाहें तो इसे घर पर ही कुछ आसान टिप्स की मदद से ठीक कर सकते हैं. आइए आपको बताते हैं कौन से हैं वो घरेलू नुस्खे.

मुल्तानी मिट्टी

मुल्तानी मिट्टी का इस्तेमाल लंबे समय से घमौरियों के इलाज के लिए किया जाता रहा है. यह बंद पोर्स को खोलती है और स्किन को रिफ्रेश करती है. इसे लगाने के लिए इसको गुलाब जल के साथ मिक्स करें. फिर प्रभावित जगह पर लगा कर 2० मिनट के लिए छोड़ दें. गर्मियों में इसे रोज लगाएं और जब फर्क दिखाई पड़ने लगे तो एक दिन छोड़ कर लगाना शुरू करें. जल्द ही असर नजर आएगा.

खीरा

गर्मी की वजह से स्किन पर होने वाली खुजली को खीरा लगाकर आसानी से ठीक किया जा सकता है. यह त्वचा को तुरंत निखारता है और ठंडक पहुंचाता है. इसके लिए आधा खीरा लेकर उसे छीलें और पतले स्लाइस काट लें. इन्हें कुछ मिनटों के लिए फ्रिज में ठंडा करें और फिर उन्हें घमौरियों पर लगाएं.

बेकिंग सोडा

बेकिंग सोडे में एंटीबैक्टीरियल गुण पाए जाते हैं. यह गर्मी और पसीने की वजह से शरीर पर पैदा होने वाले संक्रमण को रोकने में मदद करता है. 2 चम्मच बेकिंग सोडा को 1 कटोरी पानी में मिलाकर शरीर के प्रभावित क्षेत्र को साफ करें. रोजाना दिन में 2 बार ऐसा करने से लाभ मिलता है.

एलोवेरा जेल

एलोवेरा जेल में एंटीबैक्टीरियल और एंटीसेप्टिक गुण पाए जाते हैं, जो गर्मी के कारण होने वाली घमौरियों से राहत दिलाते हैं. यह खुजली के साथ लाल रंगे के रैशेज को भी दूर करता है. अगर आपको घमौरियों से बचना है तो ताजा एलोवेरा जेल लगाएं. इसे कम से कम दिन में दो बार जरूर लगाएं.

गर्मियों के मौसम में कुछ इस स्टाइल से पहनें अपनी डेनिम जैकेट

आज के समय में फैशनिस्टा की अलमारी में आपको जींस-जैकेट की एक जोड़ी न मिले, ऐसा कैसे हो सकता। बॉलीवुड एक्ट्रेसेस से लेकर फैशन दीवास तक सब डेनिम जैकेट्स को लेकर पागल हैं। लेकिन सबसे बड़ी परेशानी जो अधिकतर देखने को मिलती है, वह यह कि गर्मियों के मौसम में इसे कैसे कैरी किया जाए? जिससे हमें आरामदायक और स्टाइलिश लुक मिल सके।

कुछ यूं करें स्टाइलिंग

शायद हम में से ज्यादातर लोग आज भी डेनिम की क्वालिटी के बारे में ज्यादा नहीं जानते होंगे लेकिन उन्हें बता दें कि डेनिम जैकेट के बारे में सबसे अच्छी बात यह है कि वे एक ऐसे फैब्रिक से बनी होती है, जो न तो बहुत गर्म होती है और न ही बहुत ठंडी। ऐसे में आज हम आपको बताने जा रहे हैं वो तरीके, जिनसे आप खुद अपनी डेनिम जैकेट को स्टाइलिश लुक दे सकती हैं।

डेनिम को-ओर्ड

अगर आप अपने ओवरऑल लुक को डेनिम के साथ स्टाइलिंग करना चाहती हैं और आपको समझ नहीं आ रहा कि कैसे करना है, तो करीना कपूर की इस ड्रेस से स्टाइलिंग टिप्स ले सकती हैं। आप अपनी डेनिम जैकेट को स्कर्ट के साथ उसे शर्ट के रूप में पहन सकती हैं, या आप धारीदार शर्ट और डेनिम पैंट पहनकर डबल डेनिम को भी ऐड कर सकती हैं।

लेयर डेनिम

जब आपको समझ नहीं आता कि क्या पहनना है, तो आप अपनी डेनिम जैकेट को लेयर्स के साथ पहन सकती हैं। जी हां, आप चाहें तो डेनिम वेस्ट कोट के साथ डेनिम को पेयर कर सकती हैं। इससे न केवल आपको स्टाइलिश लुक मिलेगा बल्कि आप खूबसूरत अंदाज़ में खुद को सुपर कम्फर्टबल भी महसूस करा सकती हैं।

शॉर्ट ड्रेस के साथ

जब भी किसी स्टाइलिश कपड़े की बात आती है तो डेनिम जैकेट आपकी सबसे अच्छी दोस्त होती है। एक ड्रेस को स्टाइल करने के सबसे आसान और सबसे अच्छे तरीकों में से एक है- डेनिम जैकेट। जी हां, आप अपनी डेनिम जैकेट को किसी भी शॉर्ट ड्रेस या टी-शर्ट के साथ पेयर कर सकती हैं।

एथलेबिकिंग (वर्कआउट) लुक

अपने वर्कआउट लुक को एथलेबिकिंग के साथ मज़ेदार बनाने का काम केवल और केवल आपकी डेनिम जैकेट कर सकती है। अपनी हुडी और ट्रैक पैंट के साथ आप अपनी डेनिम जैकेट पहन सकती हैं। यही नहीं यह ड्रेस आपके दोस्तों के साथ कॉफी डेट या फिर आउटिंग के लिए भी मजेदार हो सकती है। (आरएनएस)

कोटद्वार में 17 जून को होगा दूसरा वृहद निशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन

कार्यालय संवाददाता

कोटद्वार। कोटद्वार में यथार्थ हॉस्पिटल, नोएडा के जुनून चौरिटेबल सोसाइटी के सहयोग से बहुत बड़े स्तर पर क्षेत्रवासियों को स्वास्थ्य सेवा का लाभ पहुंचाने हेतु निशुल्क चिकित्सा जांच, परामर्श एवं दवा वितरण शिविर 17 जून को श्री गुरु रामराय पब्लिक स्कूल के परिसर में आयोजित किया जा रहा है जिसकी जानकारी उत्तराखंड विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खण्डूडी भूषण ने दी। विधानसभा अध्यक्ष ने क्षेत्र के लोगों से अपील भी की है कि 17 जून को अधिक से अधिक संख्या में शिविर में पहुंच कर स्वास्थ्य सेवा का लाभ लें।

आपको बता दे की पिछले साल जून माह में भी विधानसभा अध्यक्ष के अथक प्रयासों से और यथार्थ हॉस्पिटल के सहयोग से कोटद्वार में वृहद स्तर निशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया था जिसमे तीन हजार से अधिक लोगो ने स्वास्थ्य

शिविर का लाभ लिया था।

विधानसभा अध्यक्ष ने जानकारी दी है कि आयोजित स्वास्थ्य शिविर में यथार्थ सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल ग्रेटर नोएडा से 30 से अधिक डॉक्टरों की टीम बुलाई गई है। जिसमें नेत्र, जनरल मेडिसिन, स्त्री रोग, शिशु रोग,नाक-कान-गला, दंत रोग, हड्डी रोग, मानसिक रोग, गला रोग, हृदय रोग, सामान्य रोग आदि के इलाज के लिये विशेषज्ञ डॉक्टर शामिल होंगे। इस दौरान होम्योपैथी एवं आयुर्वेदिक डॉक्टर भी मौजूद रहेंगे। विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खण्डूडी भूषण ने कहा कि डॉक्टरों की टीम द्वारा मरीजों का स्वास्थ्य परीक्षण कर निशुल्क दवाइयां भी वितरित की जाएगी। इसके अलावा शिविर में मरीजों को परिवार नियोजन की जानकारी, शुगर, बीपी, यूरिक एसिड, ईसीजी, लीवर, किडनी लंग्स संबंधी जांच, एनसीडी से महिलाओं में विभिन्न प्रकार के होने वाले कैंसर की जांच की जाएगी।

शिविर में एनसीडी-एण्ड टीबी स्क्रिनिंग, गर्भवती महिलाओं के स्वास्थ्य परीक्षण, नेत्र परीक्षण, डेंटल चेकअप, ब्लड जांच, ड्रग डिस्ट्रिब्यूशन काउंटर, स्कीन संबंधी बीमारी, मानसिक स्वास्थ्य परीक्षण सहित कई अन्य स्टॉल लगाए जायेंगे। विधानसभा अध्यक्ष ने क्षेत्र के लोगों से अपील की है कि 17 जून को शिविर केंद्र में अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ अवश्य लें।

सरकार उत्तराखण्ड में सौहार्दपूर्ण वातावरण रखने में नाकामः रविन्द्र

हमारे संवाददाता

देहरादून। सरकार उत्तराखंड में सौहार्दपूर्ण वातावरण को कायम रखने में विफल हो रही है, इसका परिणाम है कि आए दिन हिंदू-मुस्लिम संगठन आमने-सामने हो रहे है। मीडिया को जारी एक बयान के माध्यम से यह बात आम आदमी पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता एवं गढ़वाल मीडिया प्रभारी ने रविन्द्र आनन्द द्वारा कही गयी। उन्होने प्रदेश सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा कि सरकार उत्तराखंड में सौहार्दपूर्ण वातावरण को कायम रखने में विफल हो रही है और इसका परिणाम स्वरूप आए दिन हिंदू मुस्लिम संगठन आमने-सामने हो रहे हैं। उन्होने कहा कि पुरोला में हिंदुओं की महापंचायत और देहरादून में मुस्लिम संगठनों की महापंचायत यह साबित करती है कि उत्तराखंड में भाईचारा कायम रखने में प्रदेश की धामी सरकार पूरी तरह से फेल हो गई है।

महा जनसम्पर्क अभियान के तहत टिफिन बैठक का आयोजन

नगर संवाददाता

देहरादून। महाजन संपर्क अभियान के तहत आज विकास तीर्थ कार्यक्रम में पंडित दीनदयाल उपाध्याय अस्पताल जाकर विधायक राजपुर विधानसभा खजान दास एवं करनपुर मंडल अध्यक्ष राहुल लारा के नेतृत्व में टिफिन बैठक संपन्न की गयी। जिसमें मंडल के कार्यकर्ता अपने घरों से भोजन बनाकर लाए थे और वहां बैठकर भोजन किया गया।

इस कार्यक्रम में महानगर के प्रथम नागरिक सुनील उनियाल गामा एवं प्रदेश प्रवक्ता मधु भट्ट की गरिमामय में उपस्थित रही। बैठक में मंडल के प्रभारी संकेत नौटियाल महा संपर्क अभियान के करनपुर मंडल के संयोजक/महानगर मीडिया प्रभारी उमा नरेश तिवारी, महामंत्री अवधेश तिवारी, राजू पासी, महिला मोर्चा अध्यक्ष तारा देवी, अरुण लोचन, सुमन साहनी सिंह, नीलम वर्मा , सरदार मलकीत सिंह, कार्यक्रम के संयोजक ओमपाल सिंह रावत, गीता रावत, इसके अतिरिक्त ऋतु मित्रा, पार्षद राजेश शंकर बिट्टू, देविका रानी, अनीता बाल्मिकी, अजय पाल ,आकाश सहित कई कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

स्वास्थ्य मंत्री को सौंपा लैब टैक्नॉलाजिस्ट संघ ने ज्ञापन

हमारे संवाददाता

पौड़ी। श्रीनगर में उत्तराखंड मेडिकल लैब टैक्नॉलॉजिस्ट संघ के पदाधिकारियों ने स्वास्थ्य मंत्री डॉ धन सिंह रावत से मुलाकात कर चिकित्सा शिक्षा विभाग के अंतर्गत होने वाली लैब टेक्नीशियनों की भर्ती को वर्षवार कराए जाने हेतु ज्ञापन दिया गया। जिसका उन्होने संज्ञान लेते हुए वहाँ पर उपस्थित निदेशक चिकित्सा शिक्षा डॉ आशुतोष सयाना को इस पर प्रस्ताव बनाने हेतु निर्देश दिए गये।

विदित हो कि उत्तराखंड राज्य बनने से अब तक तेईस वर्षों के उपरांत उत्तराखंड राज्य में डिग्रीधारी लैब टेक्नीशियनों हेतु एक बार भी पद नहीं निकाले गए है और अब जब चिकित्सा शिक्षा विभाग द्वारा पद निकाले भी गए है तो उन पदों में किसी भी प्रकार का अनुभव ही नही मांगा गया है। संगठन का कहना है कि मंत्री द्वारा इस विषय

पर जब जब भी वार्ता की गई उन्होंने इसका संज्ञान लिया और सम्बंधित अधिकारी को निर्देश दिए कि इन पदों पर भी नर्सिंग संवर्ग की भांति चयन का माध्यम वर्षवार किया जाय। बावजूद इसके इन पदों को सीधी भर्ती से भरा जा रहा है जिससे उन युवाओं में हताशा का माहौल है जिनको इस पाठ्यक्रम से शिक्षा ग्रहण किये 15 से 20 वर्ष का समय हो चुका है।

इसी क्रम में आज श्रीनगर गढ़वाल में उत्तराखंड मेडिकल लैब टैक्नॉलॉजिस्ट संघ के सदस्यों द्वारा स्वास्थ्य मंत्री डॉ धन सिंह रावत से मुलाकात कर अपनी समस्याओं से अवगत करवाया गया। जिस पर स्वास्थ्य मंत्री ने जल्द इस पर कार्यवाही कर इन पदों को वर्षवार करने हेतु सहमति जताई गयी है।

उत्तर कोरिया जब चाहे बढ़ा देगा घबराहट!

श्रुति व्यास

अभी एक दिन पहले, चीखते सायरनों की आवाज़ से दक्षिण कोरिया की राजधानी सियोल के रहवासियों की देर रात नींद टूटी। लोगों से कहा जा रहा था कि वे सुरक्षित जगहों पर चले जाएं। अफरातफरी और अराजकता का माहौल बन गया। सरकार ने यह चेतावनी इसलिए जारी की थी क्योंकि उत्तर कोरिया में सेटेलाइट छोड़ने की तैयारी की भनक लगी थी। फिर पता चला कि उसकी कोशिश असफल हुई है। इसके बाद चेतावनी वापस ले ली गई और लोगों से कहा गया कि वे अपने रोज़मर्रा के काम शुरू कर सकते हैं। परन्तु इसके बाद भी लोगों में घबड़ाहट कम नहीं हुई। कईयों का मानना था कि सरकार ने बिना बात तमाशा खड़ा दिया।

उत्तर कोरिया ने घोषणा की थी कि वह 31 मई से 11 जून के बीच एक उपग्रह छोड़ेगा। इस लांच से दक्षिण कोरिया के लिए भले ही सीधे कोई खतरा न हो परन्तु यह पक्का है कि उत्तर कोरिया का सेटेलाइट प्रोग्राम, दक्षिण कोरिया के लिए खतरे और जोखिम का सबब है।

उत्तर कोरिया का दावा है कि सेटेलाइट छोड़ने का उसका निर्णय, 25 मई और 15 जून के बीच दक्षिण कोरिया और अमेरिका की कई लाइव-फायर ड्रिल्स (ऐसे सैन्य अभ्यास जिनमें असली गोला-बारूद का इस्तेमाल किया जाता है) का जवाब था। परन्तु सच यह है कि उत्तर कोरिया का उपग्रह कार्यक्रम लम्बे समय से चल रहा है। जानकारों का कहना है कि अभी अन्तरिक्ष में उत्तर कोरिया का ऐसा एक भी उपग्रह नहीं है जो काम कर रहा हो। सन 1998 के बाद से लेकर अब तक उत्तर कोरिया ने पांच सेटेलाइट छोड़े हैं, जिनमें से तीन लांच के तुरंत बाद नष्ट हो गए और दो किसी तरह अपनी कक्षा (ऑर्बिट) तक पहुँच सके। उत्तर कोरिया कहता है कि उसके दो लांच सफल रहे हैं - पहला 2012 में और दूसरा इसके तीन साल बाद। हालाँकि जानकारों को संदेह है कि इनमें से कोई भी सेटेलाइट धरती पर डाटा भेज रहा है।

उत्तर कोरिया ने 2016 के बाद से अन्तरिक्ष में सेटेलाइट भेजने का कोई प्रयास नहीं किया है परन्तु देश के तानाशाह शासक किम जोंग उन ने सत्ताधारी पार्टी के 2021 में आयोजित एक सम्मलेन में यह दोहराया था कि वे चाहते हैं कि उनके देश के अपने उपग्रह हों। उत्तर कोरिया ने कहा है कि पिछले साल उसने उपग्रहों को छोड़ने के साजो-सामान के कई टेस्ट किये हैं।

हॉल में जिस उपग्रह को छोड़ने की कोशिश थी वह एक तरह का जासूसी उपग्रह था। परन्तु लांच असफल रहा। उड़ान भरने के कुछ ही देर बाद यान के निचले हिस्से के अलग होते समय राकेट अपनी गति खो बैठा और समुद्र में डुब गया। परन्तु सरकार ने जल्द ही एक बार फिर प्रयास करने का संकल्प दोहराया है। किम जोंग उन की बहन किम यो कोंग, जो काफी ताकतवर मानी जाती हैं, ने अमरीका पर हमला बोला। उन्होंने कहा कि बुधवार के असफल लांच की आलोचना कर अमेरिका एक पाखंडी गैंगस्टर की तरह व्यवहार कर रहा है। उन्होंने कहा कि बतौर एक संप्रभु देश के उत्तर कोरिया को अन्तरिक्ष में अपनी टोही सेटेलाइट स्थापित करने का पूरा हक़ है। उन्होंने यह भी कहा कि आगे भी सेटेलाइट लांच होते रहेंगे।

उत्तर कोरिया का दावा है कि उसके सेटेलाइट केवल घरेलू इस्तेमाल के लिए हैं और उनका उद्देश्य है आम लोगों को समृद्ध बनाना। परन्तु हालिया लांच के उद्देश्य सैनिक लगते है। उत्तर कोरिया दुनिया के इस इलाके में अमेरिका की गतिविधियों पर नज़र रखना चाहता है। बताया जा रहा है कि सेटेलाइट का प्रयोग देश के नागरिकों पर जासूसी करने के लिए भी किया जायेगा। उत्तर कोरिया अमरीका के पाखंड की बात तो कर रहा है परन्तु अपना स्वयं का पाखंड उसे नज़र नहीं आ रहा है। बहरहाल, अब स्थिति यह है कि दक्षिण कोरिया, जापान और अमरीका हाई अलर्ट पर हैं और उत्तर कोरिया यह साबित करने पर आमादा है कि वह एक संप्रभु देश है।

असली दान

एक शिष्य ने गुरु से पूछा, 'क्या धन का दान ही सबसे श्रेष्ठ दान है क्योंकि धन से आदमी सारी वस्तुएं खरीद सकता है।' गुरुजी ने मुस्कुराते हुए कहा, 'दान को धन तक ही सीमित कर दिया है, मात्र धन का दान ही दान नहीं है, धन का दान तो दान की सबसे निम्न श्रेणी है।

असली दान तो जीवन को बांटना है। जीवन को बांटना यानी दूसरों को खुशी बांटो, प्यार बांटो, आनन्द बांटो, ये दान हैं। किसी का दर्द कम हो सके, ऐसा किया जाना दान है। किसी के सुख में शामिल हो, किसी के दुख के हिस्सेदार बने, किसी के दुख में दो आंसू गिराये, ये दान हैं। किसी की खुशियों में शामिल होकर नाचे, ये दान है, जीवन को बांटना ही असली दान है।

प्रस्तुति : सुभाष बुड़ावनवाला

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन व लेख में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *सांध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

–प्रबंधक विज्ञापन

इन कारणों के चलते महिलाओं को होता है सिर दर्द !

अक्सर सिरदर्द के पीछे अनुवांशिक या खान-पान की खराब आदतों को जिम्मेदार माना जाता है। किन्तु बात यदि महिलाओं को होने वाले सिरदर्द की करें तो वजह थोड़ी अलग भी हो सकती हैं। जी हां, अधिकतर महिलाओं को सिरदर्द हार्मोन्स के स्तर में होने वाले उतार-चढ़ाव के कारण होता है। जिसके पीछे आमतौर पर गर्भ निरोधक दवाओं का सेवन, गर्भावस्था एवं हार्मोन रिप्लेसमेंट थेरेपी जैसी वजह हो सकती हैं। किन्तु इन सब से अलग सबसे अहम वजह मासिक धर्म या पीरियड्स को माना जाता है। यही कारण है कि महिलाओं में होने वाले हार्मोनल सिरदर्द को मासिक धर्म माइग्रेन भी बोला जाता है। महिलाएं आमतौर पर अपने मासिक धर्म चक्र के चलते इस प्रकार का सिरदर्द महसूस करती हैं।

क्या होता है हार्मोनल सिरदर्द?

महिलाओं के शरीर में हॉर्मोनल परिवर्तन होते रहते हैं। हॉर्मोनल परिवर्तन के घटते-बढ़ते स्तर का प्रभाव उनके शरीर पर भी कई प्रकार से पड़ता है। जिसके कारण उन्हें कई बार सिरदर्द की परेशानी भी होने लगती है। दरअसल, महिलाओं के शरीर में एस्ट्रोजन हॉर्मोन का स्तर कम होने पर सिरदर्द की परेशानी होने लगती है।

हार्मोनल सिरदर्द के कारण:-

एनएचएस के मुताबिक, हार्मोनल सिरदर्द की मुख्य वजह ये हो सकती हैं।

-मासिक धर्म चक्र
- गर्भनिरोधक गोलियां
-रजोनिवृत्ति
-गर्भावस्था

हार्मोनल सिरदर्द के लक्षण:-

- हल्का या तेज सिरदर्द
-भूख कम लगना
-बहुत ज़्यादा पसीना आना
-ठंड लगना
-गंध के प्रति संवेदनशीलता
- थकान
-मतली, उल्टी, पेट खराब
-चक्कर आना
-शोर के प्रति संवेदनशीलता
-धुंधली दृष्टि
-बुखार
- डायरिया
-त्वचा का पीला पड़ना

हार्मोनल सिरदर्द से बचाव के लिए रूटिन में करें ये परिवर्तन:-

* डाइट में करें परिवर्तन:-

हॉर्मोन्स के कारण होने वाले सिरदर्द को दूर करने के लिए डाइट में विटामिन बी2 से भरपूर चीजों को सम्मिलित करें।

* तनाव से रहें दूर:-

तनाव के कारण भी कई बार शरीर में हॉर्मोन असंतुलित होने लगते हैं। जिसके कारण व्यक्ति को सिरदर्द की परेशानी होने लगती है। तनाव दूर करने के लिए योग, मेडिटेशन और एक्सरसाइज की सहायता लें।

* अधिक पानी पिएं:-

शरीर में पानी की कमी होने पर सिरदर्द की संभावना बढ़ जाती है। शरीर में पानी की कमी से होने वाले सिरदर्द से बचने के लिए दिन में कम से कम 3 लीटर पानी पीना चाहिए।

* मैग्नीशियम रिच फूड:-

मैग्नीशियम रिच फूड सिरदर्द की परेशानी दूर करने के साथ मांसपेशियों को भी आराम पहुंचाता है। (आरएनएस)

शब्द सामर्थ्य -046

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. भारत के वर्तमान वित्तमंत्री 6. हित, उपकार 7. असमान, पूर्वोत्तर का एक राज्य 8. किसी वस्तु व्यक्ति आदि के पहचान सूचक संबोधन का शब्द, संज्ञा 10. शवस्थल पर बनाया गया मकान, योग का अंतिम अंग, तपस्या 13. इंकार करना, ना कहना 14. पिता, क्लर्क, सम्मानीय व्यक्ति 15. आय पर लगने वाला टैक्स, इंकमटैक्स 16. प्रतिद्वंद्वी, प्रेमिका का दूसरा प्रेमी 17. परंपरा, रीति, रिवाज 20. रुप से युक्त, चिह्न, लक्षण, नाटक, एक साहित्यिक अलंकार 23. लोग, प्रजा 25. नामी, नामवर, प्रसिद्ध 27. संसार का स्वामी, बादशाह, सम्राट, ईश्वर 28. फैलाना, खिंचाव पैदा करना।

ऊपर से नीचे

1. मारना, प्रहार करना, आघात करना 2. मिथ्याअभिमान, आडंबर 3. विपत्ति, आफत 4. मालदार, धनवान, अमीर 5. ज्ञान प्राप्त करना, अनुमान लगाना, कल्पना करना 7. हक 9. विवश, लाचार 11. मानकंद, नापने का पैमाना 12. अपमानित और तिरस्कृत 17. संतान उत्पन्न करने की क्रिया, जन्म देने की क्रिया 18. लंबे कपड़े का गट्ठा, पशुओं को रखने की जगह 19. जलयान, वायुयान, जलपोत 21. आश्रय, सहारा 22. थोड़ा, जरा, तनिक 24. जुर्म, गुनाह 26. बाघ की तरह का धारीदार हिंसक एवं विशाल पशु।

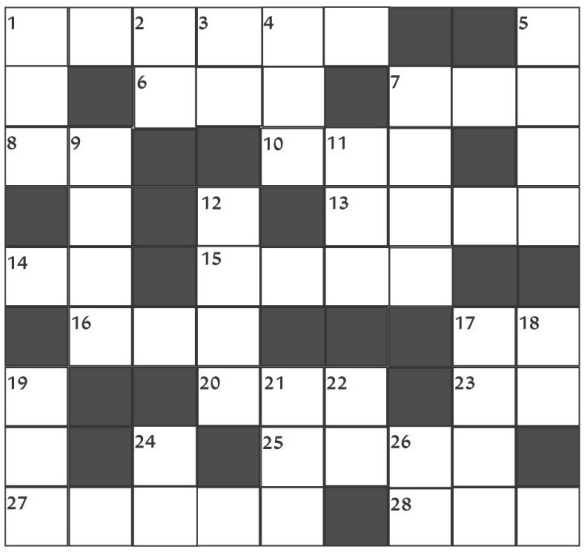

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 45 का हल

भू	कं	प	■	फा	य	दा	■	स
प	■	ल	ला	ट	■	य	ती	म
ति	ल	क	■	क	न	क	■	झ
■	क्ष्म	■	■	■	रे	■	■	■
ग	ण	क	■	सं	श	य	■	सौ
ह	■	या	च	क	■	म	न्न	त
रा	क्ष	स	■	र	क्ष	क	■	न
■	त्रि	■	■	■	मि	■	■	■
शा	य	री	■	का	त	र	■	गो

ब्लडी डैडी रिव्यू: एक्शन पर जोर और शाहिद का अभिनय बेजोड़, लेकिन कहानी कमजोर

पिछले काफी समय से शाहिद कपूर फिल्म ब्लडी डैडी को लेकर सुर्खियों में हैं। इस फिल्म का निर्देशन अली अब्बास जफर ने किया है। फिल्म का ट्रेलर सामने आने के बाद से ही इसकी रिलीज को लेकर दर्शकों का उत्साह चरम पर था। अब आखिरकार ब्लडी डैडी 9 जून को जियो सिनेमा पर आ गई है। फिल्म में रोनित रॉय, राजीव खंडेलवाल, डायना पेंटी और संजय कपूर भी नजर आए हैं। फ्री में फिल्म देखने से पहले पढ़िए इसका रिव्यू।

फिल्म में शाहिद (सुमेर) एक अंडरकवर एजेंट है। उनका किरदार उनकी फिल्म कबीर सिंह की याद दिलाता है। फर्क सिर्फ इतना है कि कबीर अपनी गर्लफ्रेंड के लिए जुनूनी था, वहीं सुमेर की जान उसके बेटे में बसती है। वह उसके लिए किसी भी हद तक जा सकता है। एक बाप-बेटे का रिश्ता कितना खास होता है, फिल्म में यह दिखाने की कोशिश की गई है। हालांकि, उनके संबंधों पर ज्यादा जोर नहीं दिया गया है।

सुमेर अपने दोस्त (जीशान सिद्दीकी) संग ड्रग्स ले जा रही एक कार का पीछा करते हुए कोकेन से भरा बैग अपने कब्जे में लेता है, जो ड्रग्स का धंधा करने वाले सिकंदर (रोनित रॉय) का होता है। सुमेर की जिंदगी तब थम जाती है, जब उस बैग को वापस लाने के लिए सिकंदर उसके बेटे का अपहरण कर लेता है। अब सुमेर अपने बेटे को बचाने के लिए क्या-क्या पैंतरे अपनाता है, यह जानने के लिए आपको फिल्म देखनी होगी। फिल्म का बैकग्राउंड म्यूजिक अच्छा है, जिसने एक्शन दृश्यों में जान फूंक दी है। एक्शन कोरियोग्राफी की जितनी तारीफ की जाए, उतनी कम है। एक्शन ही फिल्म में आकर्षण का केंद्र है। फिल्म में शाहिद किलिंग मशीन बन जिस तरह से गुंडों को हवा में उछाल रहे हैं, वो देखते ही बनता है। दूसरी तरफ होटल के कर्मचारियों के साथ शाहिद की बातचीत भी मजेदार है। क्लाइमैक्स के बीच में बुना गया बादशाह का गाना सुनने में बढ़िया लगता है।

शाहिद का किरदार फिल्म के नाम से पूरा मेल खाता है। वह ब्लडी भी हैं और डैडी भी। उन्होंने हर भाव को बखूबी पकड़ा और कायदे से पर्दे पर उतारा। एक बेबस, हिंसक और क्रूर पिता के रूप में वह खूब जमे। उनकी आक्रामकता, चपलता, जूनुन और अतरंगीपना देखते ही बनता है। कुल मिलाकर शाहिद अपने किरदारों के लिए सारी हदें तोड़ रहे हैं। एक बार फिर उन्होंने अपनी अदाकारी के सबसे ऊंचे आसमान से दर्शकों को रूबरू कराया है।

संजय के पास करने के लिए कुछ खास था नहीं या यूं कह लें कि उनका फिल्म में ढंग से इस्तेमाल नहीं हुआ। डायना पेंटी ने कुछ कमाल नहीं किया, जिसके लिए उनकी तारीफ की जाए। जीशान कादरी ठीक-ठाक लगे। हालांकि, शाहिद के आसपास खड़ी की गई दुनिया में राजीव खंडेलवाल का स्वाभाविक अभिनय याद रह जाता है, वहीं रोनित रॉय को देख लगता है मानों वह असल में ड्रग माफिया हों। उन्होंने शाहिद को पूरी टक्कर दी।

अली सुल्तान, टाइगर जिंदा है और भारत जैसी फिल्मों के जरिए अपने बेहतरीन निर्देशन का परिचय दे चुके हैं। हालांकि, उनकी ब्लडी डैडी की कहानी दमदार नहीं है और ना ही इसमें नयापन है। बस उन्होंने इसे बढ़िया रचा है। एक्शन सीन निर्देशक ने बखूबी रचे हैं। फिल्म की आधी कहानी होटल के अंदर सिमट जाती है। निर्देशक ने कहानी और हालात को साथ जोड़ने की कोशिश की, लेकिन वह इस कसौटी पर पूरी तरह से खरे नहीं उतरे। शाहिद ने इससे पहले भी ओटीटी पर धमाल मचाया है। उनकी पहली वेब सीरीज फर्जी अमेजन प्राइम वीडियो पर आई थी, जिसे सभी ने दिल खोलकर प्यार दिया। अब ब्लडी डैडी में अतरंगी अंदाज में दिखे शाहिद फिर अपनी जिम्मेदारी पर पूरे खरे उतरे हैं।

लुक्स को लेकर चर्चाओं में बनी हुई हैं रकुल प्रीत सिंह

बॉलीवुड एक्ट्रेस रकुल प्रीत सिंह इन दिनों अपने लुक्स को लेकर चर्चाओं में बनी हुई हैं। एक्ट्रेस हर वक्त अपने फैशन स्टेटमेंट से लोगों को अपने हुस्न का कायल कर देती हैं।

इन दिनों एक्ट्रेस अपना वेकेशन मालदीव में एन्जॉय कर रही हैं। वहीं से एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट हॉट अंदाज में फोटोज इंस्टाग्राम पर शेयर की हैं। इन तस्वीरों में एक्ट्रेस रकुस प्रीत की बोल्डनेस देख कर लोगों की नजरें हटने का नाम नहीं ले रही हैं।

एक्ट्रेस रकुल प्रीत सिंह इन दिनों मालदीव में अपनी छुट्टियां मना रही हैं। उन्होंने वेकेशन के दौरान अपनी बेहद ही सेक्सी बिकिनी फोटोज पोस्ट किए हैं। इन तस्वीरों में एक्ट्रेस रकुल प्रीत ने रेड कलर की बिकिनी पहनी हुई है, जिसमें वो सुपरबोल्ड नजर आ रही हैं। रकुल प्रीत सिंह अपनी इन फोटोज में परफेक्ट फिगर फ्लॉन्ट करते हुए हॉट पोज दे रही हैं।

ओपन हेयर और नो मेकअप लुक कर के एक्ट्रेस रकुल प्रीत ने अपने आउटलुक को कंप्लीट किया है। एक्ट्रेस रकुल प्रीत अपनी इन तस्वीरों में किलर अंदाज में ग्लैमरस अंदाज से लोगों के दिलों पर खंजर चला रही हैं। इन तस्वीरों में आप देख सकते हैं एक्ट्रेस समुद्र के किनारे मस्ती करते हुए नजर आ रही हैं। रकुल प्रीत सिंह इन दिनों अपने पोस्ट के दौरान लगातार अपने फैंस से जुड़ी हुई हैं। हालांकि फैंस को भी उनकी तस्वीरें बेहद पसंद आ रही हैं। एक्ट्रेस रकुल की इन तस्वीरों पर 4 लाख से भी ज्यादा यूजर्स ने लाइक कर दिया है।

सलमान खान को अच्छी स्क्रिप्ट का इंतजार

सलमान खान इन दिनों अपनी फिल्म टाइगर 3 को लेकर सुर्खियों में हैं तो हाल ही में उनका शाहरुख खान के साथ शूटिंग से एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। इस सबके बीच प्रशंसक ये जानने के लिए उत्सुक हैं कि सलमान आगे किन फिल्मों का हिस्सा बनने वाले हैं। कहा जा रहा है अभिनेता फिलहाल सही स्क्रिप्ट की तलाश में हैं और उनकी करण जौहर, साजिद नाडियाडवाला और सूरज बड़जात्या संग बातचीत भी चल रही है।

सलमान के करीबी सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक, अभिनेता इन दिनों सूरज, करण और साजिद से जवाब मिलने का इंतजार कर रहे हैं। सूत्र के अनुसार, सलमान नो एंट्री 2 करने के इच्छुक हैं, लेकिन फिल्म से जुड़े कई मुद्दे हैं, जिन्हें सुलझाया जाना बाकी है और उन पर अब उनकी टीम काम कर रही है। सूत्र ने बताया कि अभिनेता 3 परियोजनाओं को लेकर बातचीत कर रहे हैं, जिसकी उन्हें पटकथा सुननी है।

करण से एक्शन फिल्म को लेकर चल रही बात

सूत्र ने कहा, करण और विष्णु वर्धन भारतीय सेना की पृष्ठभूमि पर आधारित अपनी एक्शन फिल्म के लिए सलमान के साथ बातचीत कर रहे हैं। आईफा के लिए अबू धाबी जाने से एक दिन पहले भी सलमान के साथ उनकी मीटिंग हुई थी और अब दोबारा जून में मीटिंग होने की उम्मीद है। उन्होंने कहा, फिल्म के बारे में जानकर ही सलमान खुश है, लेकिन यह महीने के अंत तक पता चलेगा कि क्या वह यह फिल्म करेंगे या नहीं।

अपनी बात को आगे बढ़ाते हुए सूत्र ने कहा, सूरज और साजिद सलमान को जल्द फिल्म की कहानी सुनाएंगे। सूरज की फिल्म एकल परिवारों की पृष्ठभूमि पर आधारित एक विवाहित जोड़े की कहानी है, तो साजिद किक 2 की तैयारी कर रहे हैं। सूत्र ने कहा, अगर करण के साथ बात नहीं बनती है तो सलमान सूरज के साथ जा सकते हैं क्योंकि वह अगस्त तक अपनी कहानी पूरी कर लेंगे। उन्हें दिवाली 2024 तक यह फिल्म रिलीज करनी है।

किस फिल्म का हिस्सा बनेंगे सलमान?

सलमान किक के सीक्वल का भी हिस्सा बनना चाहते हैं, लेकिन अभी इस फिल्म की पटकथा पर काम चल रहा है। सूत्र का कहना है कि सलमान के पास अगले साल फरवरी/मार्च तक की तारीख है क्योंकि उसके बाद टाइगर वर्सेज पठान शुरू हो रही है। सूत्र का कहा, ऐसे में जिस फिल्म का काम जल्दी पूरा होगा वह उसका हिस्सा बन सकते हैं। ऐसा पहली बार हो रहा है कि सलमान किसी भी फिल्म से उत्साहित नहीं हैं।

इन फिल्मों का भी मिला ऑफर

इनके अलावा भी सलमान के पास कई फिल्मों के ऑफर हैं। हरीश शंकर ने मैत्री प्रोडक्शंस के तहत सलमान को एक स्क्रिप्ट सुनाई थी, लेकिन वह से इसे प्रभावित नहीं हुए। दिल राजू उनके पास एक एक्शन फिल्म लाए, लेकिन वह ऐसी फिल्म करने के मूड में नहीं थे। इसके अलावा चर्चा थी कि वह स्पैनिश फिल्म के रीमेक चैंपियंस में नजर आएंगे, लेकिन अब कहा जा रहा है कि रणवीर सिंह इसका हिस्सा बन गए हैं।

विक्की कौशल की चीयरलीडर बनीं कैटरीना कैफ

बॉलीवुड अभिनेत्री कैटरीना कैफ पति विक्की कौशल की चीयरलीडर बन गईं हैं। कैटरीना ने कौशल की हालिया रिलीज फिल्म जरा हटके जरा बचके की तारीफ की। कैटरीना ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरीज पर फिल्म का एक पोस्टर साझा किया है, इसमें वह और सारा अली खान नजर आ रही हैं। कैटरीना ने कैप्शन में लिखा, अब सिनेमाघरों में। पूरी टीम को दिल से बधाई।

अपने इंस्टाग्राम पर पत्नी के मैसेज को फिर से पोस्ट किया। उन्होंने अपनी फिल्म का गाना फिर और क्या चाहिए भी अपनी पत्नी कैटरीना को डेडिकेट किया। उन्होंने गाने की एक लाइन लिखी,तू है तो मुझे फिर और क्या चाहिए। लक्ष्मण उटेकर द्वारा निर्देशित, यह फिल्म इंदौर के एक खुशहाल विवाहित जोड़े कपिल और सौम्या के इर्द-गिर्द घूमती है। यह दोनों एक ज्वॉइंट फैमिली में रहते हैं और एक दिन तलाक लेने का फैसला करते हैं।

इसके बाद कैटरीना के पति विक्की ने

थलापति विजय की फिल्म लियो ने रचा नया कीर्तिमान!

तमिल सुपरस्टार थलापति विजय इन दिनों लगातार सुर्खियों में छाए हुए हैं। वह एक बार फिर लोगों के बीच चर्चा का विषय बन गए हैं। उनकी तमिल फिल्म लियो से जुड़ी आए दिन नई जानकारी सामने आ रही है। विजय की इस फिल्म को लेकर भी प्रशंसकों का उत्साह चरम पर है। अब जो खबर आ रही है, उससे उनके प्रशंसक खुशी से उछल पड़ेंगे। दरअसल, फिल्म ने रिलीज से पहले ही केरल में नया रिकॉर्ड बना दिया है।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, फिल्म ने केरल राज्य में शानदार कमाई की है। इस मामले में इसने आरआरआर से लेकर बाहुबली 2 और पोन्नियिन सेल्वन 2 जैसी फिल्मों को भी पछाड़ दिया है। फिल्म के केरल डिस्ट्रीब्यूशन राइट्स 16 करोड़ रुपये में बेचे गए हैं। यह केरल में किसी भी गैर-मलयालम फिल्म के लिए किया गया अब तक का सबसे बड़ा सौदा है। केरल में विजय की दीवानगी लोगों के सिर चढ़कर बोलती है, हालिया डील इसी का सबूत है।

विजय ने बाल कलाकार के तौर पर भी कई फिल्मों में काम किया, जबकि बतौर लीड अभिनेता उनकी पहली फिल्म नालया थीरपू थी, जो 1992 में रिलीज हुई थी। उन्होंने इंटरनेशनल अचीवमेंट रिकॉग्निशन अवॉर्ड और साउथ इंडियन इंटरनेशनल मूवी अवॉर्ड समेत कई पुरस्कार जीते हैं।

बता दें कि रजनीकांत की सुपरहिट फिल्म 2.0 के डिस्ट्रीब्यूशन राइट्स 14 करोड़ रुपये में बेचे गए थे, वहीं बाहुबली 2 10.5 करोड़ रुपये के साथ दूसरे नंबर पर थी, तीसरे नंबर पर 10 करोड़ रुपये के साथ क्रक्रऔर चौथे स्थान पर पोन्नियिन सेल्वन 2 थी, जिसके डिस्ट्रीब्यूशन राइट्स केरल में 9 करोड़ रुपये में बिके थे। अब लियो ने इन सभी फिल्मों को पीछे छोड़ते हुए पहले स्थान पर अपना कब्जा जमा लिया है।

फिल्म के जोर-शोर से प्रचार के बीच पता चला है कि लियो अमेरिका में रिकॉर्ड संख्या में सिनेमाघरों में रिलीज होगी। यह आरआरआर और केजीएफ चैप्टर 2 जैसी ब्लॉकबस्टर फिल्मों की संख्या को भी पार कर जाएगी।

रिपोर्ट के मुताबिक, निर्माता एसएस ललित कुमार ने खुद इसकी पुष्टि करते हुए कहा, अमेरिका और उत्तरी अमेरिका में पूरी तरह से 3,000 सिनेमाघर हैं, जिनमें से हम 1,500 सिनेमाघरों में लियो रिलीज करने की योजना बना रहे हैं।

लियो में विजय के अलावा संजय दत्त नजर आने वाले हैं। अभिनेत्री तृषा कृष्णन इस फिल्म की हीरोइन हैं। साउथ से लेकर बॉलीवुड इंडस्ट्री में भी इस फिल्म तो लेकर जबरदस्त उत्साह है। इसका निर्देशन लोकेश कनगराज कर रहे हैं, जिनकी कैथी, विक्रम और मास्टर जैसी पिछली फिल्में हिट साबित हुई हैं। अब वह विक्रम की सफलता के बाद लियोदर्शकों के बीच पेश करने को तैयार हैं। विजय और कनगराज इससे पहले मास्टर में साथ काम कर चुके हैं।

मोदी को वोट के मूड का आधार क्या ?

अजीत द्विवेदी

केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार के नौ साल पूरे होने के मौके पर कई तरह के सर्वेक्षण हुए, जिनसे मोदी सरकार की लोकप्रियता बरकरार रहने का निष्कर्ष जाहिर हुआ। यह भी बताया गया कि प्रधानमंत्री के लिए मोदी सबसे ज्यादा लोगों की पसंद हैं और अगर आज चुनाव हो तो उनको पिछली बार से कुछ ज्यादा वोट मिलेंगे। ध्यान रहे मोदी का लगातार दूसरा कार्यकाल पूरा होने वाला है। उससे पहले यदि देश में यह राय है तो यह सरकार की बड़ी सफलता है। हालांकि इन सर्वेक्षणों की गुणवत्ता और वस्तुनिष्ठता को लेकर उठने वाले सवाल अपनी जगह हैं। यह भी सही है कि इससे देश के ९० करोड़ से ज्यादा मतदाताओं की पसंद जाहिर नहीं होती है इसके बावजूद इनसे देश के लोगों के मूड और उनके रूझान का पता चलता है।

निजी तौर पर मोदी की और उनकी सरकार की लोकप्रियता का डंका बजाने वाले इन सर्वेक्षणों से कुछ और बातें जाहिर हुई हैं। जैसे जनता महंगाई से त्रस्त है। बेरोजगारी की चिंता में है। गरीबी बढ़ने से परेशान है। भ्रष्टाचार को एक बड़ी समस्या मानती है। स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर मुश्किल में है। देश की सबसे भरोसेमंद एजेंसियों में से एक सीएसडीएस के सर्वेक्षण के मुताबिक 57 फीसदी लोग महंगाई से परेशान हैं। सर्वेक्षण में शामिल 45 फीसदी लोगों ने माना की भ्रष्टाचार रोकने के मामले में सरकार ने बुरा काम किया है। इसके अलावा आठ फीसदी ने माना की इस मामले में सरकार का काम औसत है। इसका मतलब है कि भ्रष्टाचार पर 53 फीसदी लोग सरकार के काम से संतुष्ट नहीं हैं। किसानों के लिए 39 फीसदी ने सरकार के कामकाज को अच्छा माना है और 46 फीसदी ने खराब माना है। जब यह सवाल पूछा गया कि देश के सामने सबसे बड़ी समस्या क्या है तो 29 फीसदी के सबसे बड़े समूह ने बेरोजगारी को सबसे बड़ी समस्या बताया।

तभी सवाल है कि जब महंगाई, भ्रष्टाचार और गरीबी देश की बड़ी समस्या बनी हुई है तो इन्हें खत्म करने के नाम पर बनी सरकार को फिर से वोट डालने का आधार क्या है? किस आधार पर पहले से दो फीसदी ज्यादा लोगों ने उसी सरकार को वोट करने का रूझान जाहिर किया, जिसने सबसे कोर मुद्दों पर लोगों को निराश किया है? जिस सरकार में लोग महंगाई कम होने, भ्रष्टाचार समाप्त होने, गरीबी दूर होने और अच्छे दिन आने की उम्मीद लगाए हुए थे उस सरकार में अगर महंगाई, गरीबी और भ्रष्टाचार बढ़ा है तो लोगों को इस मुद्दे पर सरकार को सजा देनी चाहिए या समर्थन करना चाहिए? हैरानी की बात है कि सभी अहम मसलों पर सफल नहीं होने के बावजूद कोई राजनीतिक कीमत भाजपा की मौजूदा सरकार को नहीं चुकानी पड़ी है। और कम से कम सर्वेक्षणों में जो दिख रहा है उससे लग रहा है कि आगे भी इसकी कोई कीमत नहीं चुकानी पड़ेगी। हां, राज्यों में जरूर भाजपा कुछ जगह हारी है लेकिन उसके कारण अलग अलग रहे हैं और लगभग पूरी तरह से स्थानीय हैं। कहीं से ऐसा जाहिर नहीं हुआ है कि लोग भाजपा के केंद्रीय नेतृत्व से नाराज हैं। उलटे नरेंद्र मोदी का चेहरा प्रदेशों के चुनाव में भी भाजपा का वोट सुरक्षित रखने में मदद करता है या उसे बढ़ाता है।

ऐसा होने के कई कारण हैं, जिनमें से एक कारण हाल में हुए सर्वेक्षणों से भी जाहिर हुआ है। तमाम अहम मसलों पर केंद्र सरकार की विफलता या आंशिक सफलता की राय जाहिर करने वाली जनता भी यह मान रही है कि देश में विकास हुआ है। इस पर बहस हो सकती है लेकिन इससे इनकार नहीं किया जा सकता कि यह धारणा देश में बनी है। तटस्थता का दावा करने वाले कई स्तंभकारों ने भी सरकार के नौ साल पूरे होने के मौके पर जो लिखा उसमें कहा कि उन्होंने अपने जीवन में बुनियादी ढांचे का इतना तेज विकास नहीं देखा। प्रचार, भाषण और लेखों के जरिए विकास होने का नैरेटिव बनाया गया है। सीएसडीएस के सर्वेक्षण में भी दिखा कि 47 फीसदी लोगों ने माना की बहुत अच्छा विकास हुआ है और आठ फीसदी ने औसत विकास होने की बात कही। यानी 55 फीसदी लोग विकास के मामले में संतुष्ट हैं। विकास का नैरेटिव बनाने के साथ ही दो और चीजें इससे जोड़ी गई हैं। पहली कि अब तक आजादी के बाद कोई विकास नहीं हुआ था। दूसरी कि भारत के विकास से दुनिया भर में जो भारत के दुश्मन हैं वे परेशान हैं और भारत के खिलाफ माहौल बना रहे हैं और विपक्ष उनके साथ जुड़ा हुआ है। सो, पहला कारण तो यह है कि विकास की धारणा और उसके साथ जुड़ा नैरेटिव बाकी कमियों को ढक देता है।

लोग भ्रष्टाचार, गरीबी और बेरोजगारी से चिंतित हैं लेकिन यह उनके वोट डालने का आधार नहीं है तो उसका एक कारण राष्ट्रीय सुरक्षा, राष्ट्रवाद और नरेंद्र मोदी का मजबूत नेतृत्व है। पिछले नौ साल में अलग अलग तरीकों के इस्तेमाल से मोदी की छवि मजबूत और निर्णायक नेता की बनी है। उनके 56 इंची छाती के जुमले का चाहे जितना मजाक उड़ाएं, लेकिन लोगों के मन में यह बात बैठी है कि वे एक मजबूत नेता हैं और देशहित में फैसले करते हैं। अनुच्छेद 370 समाप्त करना इसकी सबसे बड़ी मिसाल है। अपनी सरकार के नौ साल पूरे होने के मौके पर प्रधानमंत्री ने अपने भाषण से भी इस धारणा को मजबूत किया। उन्होंने कहा कि नौ साल के अपने कार्यकाल में उनका एक एक फैसला देश और इसके नागरिकों के हित में हुआ है। इसके आगे उन्होंने कहा नहीं लेकिन कहने का आशय यह था कि हो सकता है कि कुछ फैसले गलत हुए हों लेकिन उनकी मंशा गलत नहीं थी। यही कारण है कि कई मामलों में सरकार की विफलता मोदी के नेतृत्व के ऊपर नहीं चिपकती है और लोग उनको सजा देने के बारे में नहीं सोचते हैं।

मजबूत नेतृत्व के साथ साथ अपने नेतृत्व और व्यक्तित्व को उन्होंने देश की पहचान से जोड़ दिया है। प्रचार, भाषणों और एक खास समूह के विद्वानों के लेखों के सहारे काफी हद तक यह स्थापित करने की सफल कोशिश हुई है कि मोदी ही देश हैं। उनकी आलोचना करने का मतलब है देश की आलोचना करना। पिछले दिनों लंदन में राहुल गांधी के दिए एक भाषण का हवाला देते हुए भाजपा के कई नेताओं ने कहा कि राहुल ने लंदन में मोदी का अपमान करके देश का अपमान किया है। इसी आधार पर राहुल के खिलाफ मुकदमा भी हुआ है। समझदार आदमी के लिए इस तरह की बातें हास्यास्पद हो सकती हैं लेकिन देश के करोड़ों लोग इस नैरेटिव पर यकीन करते हैं और मानते हैं कि मोदी विरोधी विपक्ष देश विरोधी हो गया है। करोड़ों लोगों के बीच यह धारणा बनी है कि मोदी देश के लिए काम कर रहे हैं और विपक्ष मोदी के विरोध में।

राष्ट्रवाद और मजबूत नेतृत्व के अलावा जो तीसरा महत्वपूर्ण मुद्दा है वह धर्म का है। हालांकि इसमें भी मोदी सरकार ने नया कुछ नहीं किया है, हिंदू और मुसलमान के बीच की सदियों से बनी जो फॉल्टलाइन है उसको बड़ा कर दिया है। यह काम बहुत बारीकी से किया गया है। पहले यह काम बहुत आक्रामक और हिंसक तरीके से होता था। खुद नरेंद्र मोदी के मुख्यमंत्री रहते गुजरात में जो दंगे हुए थे वह इसकी मिसाल हैं। लेकिन ऐसा लग रहा है कि उन्होंने और भाजपा व दूसरी हिंदुवादी ताकतों ने भी उससे सबक लिया है। पिछले नौ साल से केंद्र में भाजपा की सरकार है और कहीं भी कोई बड़ा सांप्रदायिक दंगा नहीं हुआ है। हालांकि इसका यह मतलब नहीं है कि हिंदू और मुस्लिम में सद्भाव बढ़ा है। इसका उलटा हुआ है। दंगा नहीं होने के बावजूद पूरा देश अंदर अंदर उबलता रहा है, जैसे कढ़ाही में कोई चीज कम आंच पर धीरे धीरे पक रही हो। इस निरंतर प्रक्रिया का असर यह हुआ कि बहुसंख्यक हिंदू समाज धीरे धीरे कंसोलिडेट होता गया। वह कह भले नहीं रहा हो लेकिन मान रहा है कि सदियों की गलतियां यह सरकार सुधार रही है। अयोध्या में राम मंदिर का निर्माण और देश के दूसरे धर्मस्थलों का पुनर्निर्माण और सौंदर्यीकरण कंसोलिडेशन की प्रक्रिया में मददगार हैं।

सू- दोकू क्र.046

	7				1		3	
1		9				5		
			3				1	
		5						3
3					2		5	
				3				2
	4						7	
7		8		1		6		
	6		7		9			1

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक र सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.45 का हल

5	2	4	9	6	7	8	1	3
3	6	7	4	1	8	2	9	5
8	1	9	3	2	5	4	6	7
6	3	5	1	9	4	7	2	8
7	9	8	5	3	2	6	4	1
2	4	1	7	8	6	5	3	9
4	5	3	6	7	9	1	8	2
9	8	6	2	5	1	3	7	4
1	7	2	8	4	3	9	5	6

मोदी और राहुल का फर्क

हरिशंकर व्यास

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जब विदेश दौरे पर जाते हैं तो हर देश में सैकड़ों लोगों की भीड़ उनका स्वागत करने के लिए उमड़ती है। सड़कों पर मोदी मोदी के नारे लगते हैं। वे उन देशों के प्रधानमंत्रियों, राष्ट्रपतियों के गले लगते हैं। दूसरे देशों के प्रधानमंत्री, राष्ट्रपति भी कभी मोदी को रॉकस्टार तो कभी बॉस कह कर उनको खुश करते हैं। दोपक्षीय वार्ताओं के अलावा मोदी प्रवासी भारतीयों की भीड़ को संबोधित करते हैं। वहां अपनी सरकार की उपलब्धियां बताते हैं और पहले की सरकारों को नाकाम-नाकारा साबित करते हैं। वे कारोबारियों को संबोधित करते हैं और उनको भारत आने का न्योता देते हैं। भारत की कथित आर्थिक तरक्की की कहानियां सुनाते हैं और बताते हैं कि कैसे उन्होंने भारत में कारोबार करना सुगम बना दिया है। अपने पूरे दौरे में वे प्रायोजित भीड़ के दायरे से बाहर नहीं निकलते हैं। विदेशी धरती पर भी न भारतीय मीडिया को इंटरव्यू देते हैं और न विदेशी मीडिया से बात करते हैं। वे आज तक किसी भी देश में खुले कार्यक्रम में या प्रेस कांफ्रेस में शामिल नहीं हुए हैं, जहां कोई उनसे सवाल पूछ सके।

इसके उलट राहुल गांधी हर देश में खुले सत्र में हिस्सा लेते हैं। बौद्धिकों के साथ संवाद करते हैं। पत्रकारों के साथ बात करते हैं। दुनिया के प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों में भाषण देते हैं और वहां के छात्रों के साथ सीधा संवाद करते हैं। उनके भी कई कार्यक्रम प्रायोजित होते हैं और वे भी पार्टी की ओर से जुटाए गए प्रवासी भारतीयों को संबोधित करते हैं। इसके बावजूद उनका कार्यक्रम सरकारी कार्यक्रम की तरह प्रयोजित नहीं होता है। अगर ऐसा होता तो अमेरिका के सैन फ्रांसिस्को में उनके कार्यक्रम में खालिस्तान समर्थक पहुंच कर नारेबाजी नहीं करते। उनको भाषण देने से रोकने की कोशिश नही करते, बल्कि उनके लिए भी राहुल राहुल के नारे लगते। उनके ज्यादातर कार्यक्रम स्वंयस्फूर्त होते हैं जो आज के प्रायोजित नैरेटिव निर्माण के वक्त में बहुत जोखिम का काम है।

अमेरिका में राहुल ने सैन फ्रांसिस्को में भाषण दिया। स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी में गए और छात्रों के साथ संवाद किया। उसके बाद वे वाशिंगटन पहुंचे तो नेशनल प्रेस क्लब में पत्रकारों के साथ सीधी बातचीत की। इसमें राहुल ने तमाम गंभीर और जटिल मसलों पर सहज भाव से पत्रकारों के सवालों के जवाब दिए। कहने की जरूरत नहीं है कि अमेरिकी पत्रकार कितने निर्मम होते हैं। उन्हें अपने राष्ट्रपति से आंख मिला कर मुश्किल सवाल पूछने में भी दिक्कत नहीं होती है। इसलिए नेशनल प्रेस क्लब में राहुल का इस तरह से पत्रकारों से मिलना और खुली बातचीत करना भी एक जोखिम भरा काम था। उनके पिता और दादी ने यह काम किया था लेकिन तब वे देश के प्रधानमंत्री थे। मनमोहन सिंह ने भी बतौर प्रधानमंत्री वाशिंगटन में नेशनल प्रेस क्लब में पत्रकारों से बात की थी।

लंदन के अपने दो दौरों में राहुल गांधी ने कैंब्रिज यूनिवर्सिटी के छात्रों को संबोधित किय। उनके साथ खुली बातचीत भी की। वे बौद्धिकों से भी मिले और उनके सवालों का जवाब भी दिया। प्रवासी भारतीयों के साथ भी उनका संवाद अक्सर प्रायोजित नहीं होता है। सो, एक तरफ प्रधानमंत्री मोदी का शक्ति प्रदर्शन है और प्रायोजित भीड़ के जरिए अपनी लोकप्रियता का प्रदर्शन है तो दूसरी ओर राहुल गांधी का पश्चिमी और सभ्य लोकतांत्रिक देशों की तासीर वाला सहज, स्वाभाविक संवाद है। मोदी के कार्यक्रमों को पश्चिमी और दूसरे सभ्य देशों के लोग कौतुक से देखते होंगे लेकिन राहुल का व्यवहार उनको ज्यादा अपना सा लगता होगा। उनके नेता भी इसी तरह उनके साथ सहज भाव से मिलते हैं, मीडिया से बात करते हैं और मुश्किल सवालों के जवाब देते हैं। वहां सिर्फ भाषण नहीं होते है, बल्कि दोतरफा संवाद की परंपरा है।

दून समेत छह जनपदों में हलकी से मध्यम बारिश का अनुमान !

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड में बढ़ती गर्मी से लोग बेहाल हैं। मंगलवार इस सीजन का सबसे गर्म दिन रहा। मंगलवार को दून का अधिकतम तापमान सामान्य से पांच डिग्री सेल्सियस ज्यादा दर्ज किया गया। अधिकतम तापमान 39.5 डिग्री पहुंचने से बीते चार सालों का रिकॉर्ड टूट गया। सूरज की तपिश ने लोगों के पसीने छुड़ा दिए हैं। हरिद्वार का सामान्य से छह डिग्री सेल्सियस अधिक रहा। गर्मी के कारण दिन के समय कम ही लोग घरों से बाहर निकले। उधर चमोली, रुद्रप्रयाग और नैनीताल के कुछ क्षेत्रों में शाम के समय हुई वर्षा से राहत महसूस की गई। तेज धूप के कारण लोगों का घर से निकलना मुश्किल हो गया है। इसी बीच गर्मी बढ़ने के साथ साथ पावर कट और पानी की कटौती से भी आमजन परेशान है। इसी बीच मौसम विभाग ने बारिश की संभावना जताई है। बारिश से लोगों को इस भीषण गर्मी से राहत मिलेगी। मौसम विभाग के मुताबिक आज देहरादून समेत छह जनपदों में आकाशीय बिजली चमकने, तीव्र बौछारें पड़ने का अनुमान है। मौसम विज्ञान केंद्र के निदेशक बिक्रम सिंह ने बताया कि बुधवार को जनपद देहरादून, हरिद्वार, पौड़ी, ऊधमसिंहनगर, नैनीताल व चंपावत के कई इलाकों में आकाशीय बिजली चमकने और तीव्र बौछारें पड़ने की उम्मीद है।

अंतर्राष्ट्रीय हिन्दू परिषद/राष्ट्रीय बजरंग दल का 5 दिवसीय प्रशिक्षण वर्ग सम्पन्न

नगर संवाददाता

देहरादून। अंतरराष्ट्रीय हिंदू परिषद/राष्ट्रीय बजरंग दल उत्तराखंड प्रांत का पांच दिवसीय वीर हिंदू विजेता हिंदू प्रशिक्षण वर्ग श्री गुरु राम राय इंटर कॉलेज नेहरूग्राम देहरादून में संपन्न हुआ। जिसमें प्रदेशभर से युवाओं ने प्रतिभाग किया तथा उनको शारीरिक व बौद्धिक प्रशिक्षण दिया गया है। जिसमें योग ,प्राणायाम ,खेल ,दंड, नियुद्ध, बाधा(ऑप्टिकल) पार करना लक्ष्य भेद आदि में दक्ष किया गया, बौद्धिक विषयों में देश समाज संस्कृति व जीवन मूल्यों के विषय में केंद्रीय अधिकारियों द्वारा मार्गदर्शन किया गया, युवाओं को प्रात: से सायंकाल तक कठिन दिनचर्या का पालन कराया गया, वर्ग का उद्घाटन केंद्रीय सह संगठन मंत्री ईश्वरी प्रसाद अंतरराष्ट्रीय हिंदू परिषद द्वारा किया गया। समापन के अवसर पर केंद्रीय संगठन महामंत्री महावीर का मार्गदर्शन कार्यकर्ताओं को प्राप्त हुआ, उन्होंने कार्यकर्ताओं के गुणों को लेकर युवाओं का मार्गदर्शन किया, उन्होंने कहा समाज को ठीक करने के लिए नींव को मजबूत करना आवश्यक है। जिससे कि अच्छे समाज का निर्माण हो सके, यह युवा आने वाले समय में देश धर्म समाज के कार्य के लिए सदैव कार्य करेंगे। वह अग्रणी रूप में अपनी भूमिका निभाएंगे वर्ग में क्षेत्रीय संगठन मंत्री मेरठ क्षेत्र सुभाष जोशी, प्रांत अध्यक्ष राष्ट्रीय बजरंग दल विजेंद्र सिंह नेगी, प्रदेश मंत्री सुरेश सेमवाल, कृपाल सिंह नेगी, मनीष कुलडियाल, हितेश हिंदू , अंकुश पंडित, विजेंद्र सैनी, संजय बजरंगी, सचिन बजरंगी, बॉबी प्रजापति, हरिदत्त कौशिक, पंकज रावत, करन सिंह, केशव शर्मा, सिद्धार्थ नेगी, वर्ग के पालक के रूप में पूर्व सैनिक सुरेंद्र सिंह नौटियाल की उपस्थिति रही।

तूना-बौंठा मोटर मार्ग पर हुए अतिक्रमण को हटाया

रुद्रप्रयाग। तूना-बौंठा मोटर मार्ग पर किए गए अतिक्रमण पर जिलाधिकारी मयूर दीक्षित के निर्देशन में लोनिवि, राजस्व व पुलिस बल के संयुक्त तत्वाधान में बड़ी कार्यवाही करते हुए किए गए अतिक्रमण को हटाया गया।

नायब तहसीलदार प्रताप सिंह ने अवगत कराया है कि तूना-बौंठा मार्ग में क्षेत्र वासियों द्वारा जाम एवं अतिक्रमण के संबंध में की गई शिकायत का संज्ञान लेते हुए जिलाधिकारी द्वारा संबंधित अधिकारियों के साथ उक्त मोटर मार्ग का निरीक्षण करते हुए जांच कर आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए गए थे, जिसमें राजस्व टीम एवं लोनिवि द्वारा संयुक्त रूप से मोटर मार्ग का निरीक्षण करते हुए किए गए अतिक्रमण को चिन्हित करते हुए संबंधित को अतिक्रमण हटाने के नोटिस जारी किए गए थे। किन्तु किसी भी व्यक्ति द्वारा अतिक्रमण नहीं हटाया गया तथा चिन्हित किए गए अतिक्रमण को आज पुलिस बल की मौजूदगी में राजस्व टीम एवं लोनिवि की जेसीबी की मशीन द्वारा चिन्हित किए गए अतिक्रमण को हटाया गया।

इस अवसर पर कोतवाली निरीक्षक जयपाल सिंह नेगी, सहायक अभियंता लोनिवि संजय सैनी, अवर अभियंता रश्मि, राजस्व उपनिरीक्षक पुनाड़ शफीक अहमद सहित पुलिस बल मौजूद थे।

वन विभाग ने पकड़ा 200 टिन लीसा, तस्कर फरार

हमारे संवाददाता

नैनीताल। तस्करी कर लाये जा रहे 200 टिन लीसा को वन विभाग द्वारा बरामद कर लिया गया है। हालांकि इस दौरान तस्कर वाहन छोड़कर फरार होने में कामयाब रहा। वन विभाग द्वारा सम्बन्धित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर अग्रिम कार्यवाही की जा रही है।

जानकारी के अनुसार आज सुबह वन विभाग की टीम द्वारा गौला नदी क्षेत्र के आस पास गश्त की जा रही थी। इस दौरान जब टीम शीशमहल गेट के समीप पहुंची तो लगभग पौने पांच बजे उसे एक तिरपाल लगा हुआ संदिग्ध वाहन दिखायी दिया। टीम द्वारा जब जांच हेतु वाहन को रूकने का इशारा किया गया तो वाहन चालक वाहन को और अधिक गति से वाहन को हल्द्वानी की ओर भगा ले गया, टीम द्वारा वाहन का पीछा किया गया। समय लगभग 5.15 बजे टीम द्वारा वाहन को घेर लिया गया।

इस पर चालक द्वारा अपने को घिरा देख सुशीला तिवारी अस्पताल से आईटीआई रोड को नीलकंठ अस्पताल के पास रोड के किनारे वाहन को खड़ा करते हुए गाड़ी से कूदकर भाग गया। टीम द्वारा जब वाहन की तलाशी ली गयी तो पता चला कि वाहन में बनाया गया अतिरिक्त केविन के अंदर लीसा के लगभग 200 कनस्तर लदे पाये गये। तलाशी में वाहन में लादे गए वन उपज लीसा से सम्बन्धित कोई भी वैध प्रपत्र नहीं पायें गये। सम्भवत: वैध प्रपत्र न होने के वजह से ही चालक डर के मारे भाग गया। बहरहाल वन विभाग द्वारा उक्त वाहन को सीज करते हुए सम्बन्धित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर अग्रिम कार्यवाही की जा रही है।

सरकारी जमीन पर कब्जा करने पर तीन के खिलाफ मुकदमा दर्ज

देहरादून (सं)। सरकारी जमीन पर कब्जा करने पर तीन के खिलाफ मुकदमा दर्ज पुलिस ने जांच शुरू कर दी । प्राप्त जानकारी के अनुसार राजस्व उप निरीक्षक डोईवाला प्रदीप सिंह ने डोईवाला कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया भोजपुर निवासी अनिल रावत बडोवाला निवासी अंकित कुडियाल व बडोवाला निवासी जयप्रकाश जोशी के द्वारा सरकारी जमीन पर कब्जा किया गया है।

4 पेटी शराब सहित 2 गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

रूद्रप्रयाग। केदारधाम यात्रा के दौरान शराब तस्करी कर रहे दो नेपाली नागरिकों को पुलिस ने चार पेटी शराब सहित गिरफ्तार कर लिया है।प्रचलित केदारनाथ धाम यात्रा को सुगम, सरल, भयमुक्त व सुरक्षित बनाये रखने हेतु पुलिस द्वारा लगातार चैकिंग अभियान चलाया जा रहा है। इस क्रम में बीते रोज थाना गुप्तकाशी व चौकी फाटा पुलिस द्वारा एक सूचना के बाद दो नेपाली नागरिकों को उनके पिट्ठू बैग में 24-24 बोतल (कुल 48 बोतल यानि 4 पेटी) शराब का परिवहन करते हुए गिरफ्तार किया गया है। जिनके खिलाफ आबकारी अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। पूछताछ में उन्होने अपना नाम रॉबिन पुत्र राम सिंह डॉगी निवासी गांव तुलसीपुर पो. डॉग, जिला डॉग ऑचल राप्ती नेपाल व अमृत पुत्र नीम बहादुर, निवासी गांव तुलसीपुर पो डॉग, ऑचल राप्ती, नेपाल व हाल गौरीकुण्ड बताया गया है।

पंजाब से चोरी की गई कार सहित शातिर गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। पंजाब से चोरी की गयी लग्जरी कार सहित पुलिस ने एक व्यक्ति को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी शातिर किस्म का चोर है जो पूर्व में भी पंजाब, चंडीगढ़ से चोरी के मामलों में जेल जा चुका है।

जानकारी के अनुसार बीती रात हरिद्वार पुलिस की बदमाशों से मुठभेड़ के बाद क्षेत्र में चलाए जा रहे सघन चेकिंग अभियान के दौरान हरिद्वार पुलिस को एक वाहन चोर को दबोचने में सफलता हाथ लगी है।

चेकिंग के दौरान बहादराबाद पुलिस द्वारा कलियर मोड़ पर एक संदिग्ध कार को रोका गया एवं से कागज चेक किए गये तो चालक कागज दिखा नहीं पाया। पूछताछ करने पर चला कि चालक ने वह कार भटिंडा से चोरी की है। उक्त कार के संबंध में थाना भटिंडा से संपर्क किया तो पता चला कि वहां पर इस संबंध में मुकदमा पंजीकृत है। पूछताछ में आरोपी द्वारा अपना नाम कुलदीप सिंह पुत्र जय सिंह निवासी जिला अंबाला हरियाणा बताया गया। पुलिस ने उसे न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया है।

विश्व रक्तदाता दिवस पर एनसीसी ने किया रक्तदान शिविर का आयोजन

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। विश्व रक्तदाता दिवस के उपलक्ष्य में एनसीसी ग्रुप मुख्यालय, रुड़की द्वारा दिये गए निर्देशानुसार 84 उत्तराखंड वाहिनी एनसीसी, रुड़की द्वारा ब्लड बैंक, सिविल हॉस्पिटल रुड़की मे महा रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम संयोजक रवि कपूर द्वारा बताया गया की 84 वाहिनी राष्ट्रीय कैडेट कोर, रुड़की के 40 से अधिक एनसीसी कैडेट, 3 एलुमनी कैडेट्स, 3 सहायक एनसीसी अधिकारी, 4 मिलिट्री इंस्ट्रक्टर व 2 राज्य कर्मचारियों द्वारा विश्व रक्तदाता दिवस के अवसर पर सिविल हॉस्पिटल रुड़की में रक्तदान किया गया। रक्तदान शिविर का शुभारंभ रुड़की के विधायक प्रदीप बत्रा एवं एनसीसी बटालियन के कमान अधिकारी कर्नल रामाकृष्णन रमेश द्वारा किया गया।

कर्नल रामाकृष्णन रमेश द्वारा अपने संबोधन में बताया गया कि रक्तदान महादान है व एक यूनिट रक्त 3 जिंदगी बचाता है । प्रत्येक स्वस्थ व्यक्ति को 3 माह में एक बार रक्तदान अवश्य करना चाहिए। एनसीसी कैडेट्स को देश की सबसे बड़ी यूथ ऑर्गेनाइजेशन के तौर पर इस कार्य में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेना चाहिए ।

इस अवसर पर रुड़की के विधायक प्रदीप बत्रा ने एनसीसी कैडेट्स को संबोधित करते हुए कहा कि एनसीसी युवाओ में जोश, उत्साह और राष्ट्रभक्ति की भावना उत्पन्न करती है जो उन्हें अन्य युवाओं से बहुत अलग बनाती हैं, समय समय पर सामाजिक गतिविधियों के माध्यम से समाज में जन जागरूकता एवं सेवा कार्यो मे बढ़ चढ़ कर प्रतिभाग करने वाले सभी कैडेट्स बधाई के पात्र है ।

रक्तदान शिविर में ब्लड बैंक अधिकारी डॉ रजत सैनी, मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉक्टर संजय कंसल व वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी मनोज नवानी व अन्य द्वारा कैडेट्स को रक्तदान कराने में सहयोग दिया गया।

एक नजर

ट्विटर पर 2.5 करोड़ फॉलोअर्स वाले पहले सीएम बने योगी आदित्यनाथ

लखनऊ । उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की लोकप्रियता में तेजी से इजाफा हो रहा है। सोशल मीडिया पर उन्होंने लोकप्रियता का नया कीर्तिमान स्थापित किया है। मंगलवार को माइक्रोब्लॉगिंग साइट ट्विटर पर सीएम योगी के आधिकारिक ट्विटर हैंडल /उलवहपंकपजलंदंजी ने 25 मिलियन यानी 2.5 करोड़ फॉलोअर्स के आंकड़े को पार कर लिया। यह वो आंकड़ा है, जहां यूपी ही नहीं देश के बड़े-बड़े नेता और सेलेब्रिटी अब तक नहीं पहुंच सके हैं। ट्विटर पर इस संख्या को पार करने वाले वह पहले सीएम भी हैं। सीएम योगी आदित्यनाथ ने यह आंकड़ा 8 वर्षों के अंतराल में प्राप्त किया है। उन्होंने सितंबर 2015 में ट्विटर पर अपने आधिकारिक हैंडल की शुरुआत की थी। उस वक्त वह सांसद थे। 2017 में उत्तर प्रदेश की सत्ता संभालने के बाद जिस तरह उन्होंने प्रदेश में विकास और सुशासन के साथ ही कानून व्यवस्था में व्यापक सुधार करके दिखाया, उसके बाद उनकी लोकप्रियता में गुणात्मक वृद्धि देखी गई। ट्विटर पर 2.5 करोड़ फॉलोअर्स का आंकड़ा छूने के साथ ही सीएम योगी उस क्लब का हिस्सा बन गए, जिसमें पीएम मोदी और अमित शाह जैसे दिग्गज नेता भी शामिल हैं।

फिल्म जवान को लेकर शाहरुख खान के फैंस हैं काफी एक्साइमेंट !

मुंबई। शाहरुख खान न सिर्फ बॉलीवुड के बादशाह हैं बल्कि दुनिया भर में अपने फैन्स के दिलों पर राज करते हैं। शाहरुख का क्रेज फैन्स के सिर चढ़ कर बोलता है और वो अपने फैन्स के साथ कनेक्ट करना भी खूब जानते हैं। इसका एक बड़ा सबूत है उनका #AskSRK सेशन जो वो हर महीने अपने सोशल मीडिया पेज पर फैन्स के लिए होस्ट करते हैं इस दौरान शाहरुख बेहद मजेदार और दिलचस्प अंदाज में अपने फैन्स द्वारा पूछे गए सवालों का जवाब देते हैं। शाहरुख के ये जवाब न सिर्फ मनोरंजक होते है बल्कि उनके कमाल के सेंस ऑफ ह्यूमर से भी भरे होते हैं। सुपरस्टार ने अब एक और #AskSRK सेशन रखा और उनके जवाब फिर से हर तरफ छाए हुए है। इस बार शाहरुख की आगामी फिल्म जवान को लेकर फैंस के बीच काफी एक्साइमेंट देखने को मिली। एक ट्विटर यूजर ने शाहरुख खान से उनके इवनिंग प्लान के बारे में पूछा, जिस पर अभिनेता ने जवाब दिया, सोच रहा था कि एटली के साथ जवान देखेंगे.. वहीं, एक दूसरे यूजर ने शाहरुख खान से पूछा कि उनके लिए डंकी या जवान में से कौन शारीरिक रूप से अधिक चुनौतीपूर्ण रहा, जिस पर उन्होंने जवाब दिया, ष्जवान फॉर श्योर लॉट्स ऑफ एक्शन..। शाहरुख खान के एक फैन ने उनसे जल्द से जल्द जवान दिखाने की गुजारिश की, तो एक्टर ने मजाकिया अंदाज में जवाब देते हुए कहा, जरूर मिलते हैं 7 सितंबर को..।

कॉमेडियन ने फेसबुक लाइव के दौरान की सुसाइड की कोशिश

मुंबई। द कपिल शर्मा शो में काम कर चुके एक कॉमेडियन ने फेसबुक लाइव के दौरान अपनी जान लेने की कोशिश की। हालांकि पुलिस ने सही समय पर मौके पर पहुंचकर कॉमेडियन को अस्पताल पहुंचाया और जान बचा ली। रिपोर्ट के अनुसार,जूनियर आर्टिस्ट और कपिल शर्मा शो में काम कर चुके कॉमेडियन तीर्थानंद राव फेसबुक पर लाइव थे। फेसबुक लाइव के दौरान ही तीर्थानंद ने फिनाइल पी लिया। हालांकि इस दौरान कॉमेडियन के किसी जानने वाले ने पुलिस को घटना की जानकारी दी। सूचना के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और कॉमेडियन को तुरंत अस्पताल पहुंचाया। बता दें कि तीर्थानंद राव को जूनियर नाना पाटेकर के नाम से भी जाना जाता है। तीर्थानंद ने सोशल मीडिया पर लाइव बातचीत के दौरान कहा कि उनकी इस हालत के लिए एक महिला जिम्मेदार है और अगर उनके साथ कुछ गलत होता है तो उन्हें न्याय मिलना चाहिए। इस महिला की दो बेटियां हैं और तीर्थानंद उनके साथ लिव-इन रिलेशनशिप में था। साथ ही तीर्थानंद ने कहा कि हम लिव इन में भी रह रहे थे। रिलेशनशिप के दौरान मुझे पता चला कि वो प्रॉस्टीट्यूशन का काम करती है। मैं उससे पीछा छुड़वाना चाहता था। तीर्थानंद ने बताया, इस बीच वो महिला मुझे धमकी देने लगी। उल्टा उन्होंने मुझपर केस भी कर दिया था। केस के डर से मैं लंबे समय से अपने घर से भागता फिर रहा हूं। मैं कई दिनों से अपने घर तक नहीं जा पाया और फुटपाथ पर सोने को मजबूर था।

दो दुपहिया वाहन चोर गिरफ्तार, 6 स्कूटी बरामद

हमारे संवाददाता

देहरादून। वाहन चोर गिरोह का पर्दाफाश करते हुए पुलिस ने 2 लोगों को चोरी की गई 6 स्कूटियों सहित गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी नशे के आदी हैं जो नशे की लत पूरा करने के लिए वाहन चोरी की वारदातों को अंजाम दिया करते थे।

डीआईजी/वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक दिलीप सिंह कुंवर ने बताया कि बीती 11 जून को उत्कर्ष थापा पुत्र प्रकाश थापा निवासी हरिया वाला खुर्द केंट ने वसंत विहार थाने में तहरीर देकर बताया था कि वह जीएमएस रोड पर कोचिंग की क्लास हेतु आए थे एवं उन्होंने अपनी एक्टिवा कोचिंग संस्थान के बाहर खड़ी कर दी थी जिसमें भूलवश चाबी लगी हुई थी बताया कि अज्ञात चोर द्वारा उनके उक्त वाहन को चोरी कर लिया गया है। मामले में पुलिस ने संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर चोरों की तलाश शुरु कर दी गई।

चोरों की तलाश में जुटी पुलिस टीम

को बीते रोज सूचना मिली की उक्त चोरी में शामिल चोर क्षेत्र में देखे गए हैं। सूचना पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने क्षेत्र में चेकिंग अभियान चला दिया।

इस दौरान पुलिस टीम को इंदिरा नगर कॉलोनी ट्रांसफार्मर के पास स्कूटी सवार दो संदिग्ध आते हुए दिखाई दिए पुलिस ने जब उन्हें रोकने का प्रयास किया तो वह स्कूटी मोड़ कर भागने लगे। इस पर उन्हें घेरकर दबोचा गया। पूछताछ के दौरान उन्होंने अपना नाम राहुल पुत्र विनोद निवासी गांधीग्राम व शुभम पुत्र गुलशन कुमार निवासी गांधीग्राम वसंत विहार बताया। साथ ही उन्होंने उक्त स्कूटी को चोरी का होना कबूल किया। सख्ती से की गई पूछताछ के बाद पुलिस ने उनकी निशानदेही पर चाय बागान के खंडहर में छिपाई गई पांच अन्य स्कूटी अभी बरामद की। आरोपियों ने बताया कि वह नशे के आदी हैं तथा वह नशा पूर्ति के लिए ही स्कूटी चोरी की घटनाओं को अंजाम दिया करते हैं। बहरहाल पुलिस ने उन्हें न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया है।

लारेंस विश्नोई व गोल्डी बरार के नाम से व्यापारी को मिली धमकी

संवाददाता

देहरादून । लारेंस विश्नोई व गोल्डी बरार के नाम से व्यापारी को जान से मारने की धमकी देने के मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार ऋषिकेष निवासी साहिल विरमानी ने ऋषिकेश कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि वह त्रिवेणी घाट मार्ग के प्रतिष्ठित कपड़ा व्यापारी का पुत्र है। उसको काफी दिनों से एक व्यक्ति व्हाट्सऐप के माध्यम से जान से मारने की धमकी दे रहा है। और अपने दावे में स्वयं को सिंह मुसेवाला कांड में प्रचिलित लोरेन्स विश्नोई गैंग व गोल्डी बरार का खास व्यक्ति बताता है। है। उसका परिवार व वह इन सब से सदमे में है। व अपनी जान माल का खतरा सता रहा है। उसको निम्न मोबाइल नंबरो से व्हाट्सएप काल व मैसेज के माध्यम से धमकाया जा रहा है व मारने की ध मकी दी जा रही है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

नहीं होगी कल पुरोला में...

▶▶ पृष्ठ 1 का शेष

साल से यहां रह रहे हैं और उनसे कोई शिकायत किसी को नहीं है तो उन्हें किस बात की सजा दी जा रही है।

फिलहाल पुरोला में शांतिपूर्ण तनाव की स्थिति बनी हुई है प्रशासन द्वारा अनुमति न देने और धारा 144 लागू किए जाने के बाद भी हिंदू संगठनों के लोग अब भी महापंचायत की बात तो कर रहे हैं लेकिन उनके तेवर नरम पड़ चुके हैं। प्रशासन द्वारा किसी भी स्थिति से निपटने की तैयारी कर ली गई है भारी संख्या में पुलिस बल की तैनाती से लेकर पुरोला जाने वाले सभी रास्तों पर पुलिस का कड़ा पहरा बैठा दिया गया है और बिना चेकिंग के किसी को भी पुरोला नहीं जाने दिया जा रहा है।

एम्बुलेंस के नाम पर ठगे 95 हजार रुपये

संवाददाता

देहरादून । एम्बुलेंस के नाम पर 95 हजार रूपये की ठगी करने के मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार क्लेमनटाउन निवासी रचना द्विवेदी ने क्लेमनटाउन थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसके द्वारा अपने मोबाइल नंबर से 4 जून 2023 को अपने पिताजी को उपचार हेतु वेलमेट हॉस्पिटल में भर्ती कराने के लिए हॉस्पिटल को एम्बूलेंस के लिए मोबाइल नंबर पर कॉल किया गया था परन्तु इस नम्बर पर जिस व्यक्ति से उसकी वार्ता हुई उसके द्वारा उसको एक दुसरा मोबाइल नंबर दिया गया जब उसके द्वारा मोबाइल नंबर पर कॉल की गई तो उस व्यक्ति द्वारा उसको एक व्हॉटसअप नंबर दिया गया और बताया गया कि उसके व्हॉटसअप पर एक लिंक भेजा गया है वह उस लिंक पर क्लिक करके एम्बुलेंस बुक करने के लिए 5 रुपये का पेमेंट कर दीजिए उसकी एम्बुलेंस बुक हो जायेगी औरे उसके द्वारा दिये गये लिंक पर पेमेंट करने के बाद भी उसकी पेंमेंट नही हो पाई और उसके बाद वह अपने पिताजी को उपचार हेतु कैलाश अस्पताल ले गये परन्तु 05 जून 2023 को उसके पंजाब नेशनल बैंक के खाते से 19 ट्रांजेक्शन के द्वारा 95,000 रुपये की ध नराशि कटने के मैसेज प्राप्त होने पर उसको ज्ञात हुआ कि मेरे साथ साईबर फ्रॉड हो गया है । उसके साथ वेलमेट अस्पताल का कर्मचारी बनकर एम्बुलेंस बुकिंग के नाम पर व्हॉटस्अप पर लिंक भेजकर उसके बैंक खाते से 95,000 रुपये निकाल कर धोखाधड़ी की गयी हैं । पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी ।

स्कूटी चोरी, मुकदमा दर्ज

संवाददाता

देहरादून। चोरों ने दून अस्पताल ओपीडी के बाहर से स्कूटी चोरी कर ली। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार लक्खी बाग निवासी मौहम्मद जावेद ने कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि वह किसी काम से दून अस्पताल गया था । उसने अपनी स्कूटी ओपीडी के बाहर खड़ी की थी जब वह थोड़ी देर बाद वापस आया तो उसने देखा कि उसकी स्कूटी अपने स्थान से गायब थी।

मकान का ताला तोड़ जेवरात चोरी

संवाददाता

देहरादून। चोरों ने मकान का ताला तोड़ कर वहां से लाखों रुपये के जेवरात चोरी कर लिए हैं ।पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार हर्बटपुर निवासी कमल किशोर ने विकासनगर कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि वह परिवार के साथ बाहर गया था ।आज जब वह वापस आया तो उसने देखा कि उसके मकान का ताला टूटा हुआ था। अन्दर सारा सामान बिखरा हुआ था। चोर उसके यहां से लाखों रुपये के जेवर चुरा कर ले गये हैं।

आर.एन.आई.- 59626/94

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार

संपादक
पुष्पा कांति कुमार

समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार

कानूनी सलाहकार:
वी के अरोड़ा, *एडवोकेट*
बैजनाथ, *एडवोकेट*

कार्यालय: दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808

नोट: सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।